■ ज्येष्ठ शुक्ल - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 313 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 11-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 रोहित शर्मा बहुत अनुभवी कप्तान : पोंटिंग

6 सफल और सक्षम होगी मोदी की तीसरी पारी

7 'कल्कि 2898 एडी' से दीपिका पादुकोण का नया पोस्टर रिलीज

फर्स्ट टेक

मलावी के उपराष्ट्रपति चिलिमा को ले जा रहा विमान लापता

लिलोंग्वे/वार्ता। मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस चिलिमा और नौ अन्य लोगों को लेकर जा रहा मलावी रक्षा बल का विमान सोमवार को लापता हो गया। मलावी के राष्ट्रपति एवं कैबिनेट के सचिव कोलीन ज़ांबा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विमान सोमवार को स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10:02 बजे देश के उत्तर में स्थित म्ज़ुज़ू हवाई अड्डे पर अपनी निर्धारित लैंडिंग करने में विफल रहा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, विमान के रडार से गायब होने के बाद से विमानन अधिकारियों द्वारा उससे संपर्क करने की कोशिश की गयी, लेकिन सभी प्रयास अब तक विफल रहे हैं। मलावी के राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा ने सभी क्षेत्रीय और राष्ट्रीय एजेंसियों को विमान का पता लगाने के लिए तत्काल खोज और बचाव अभियान चलाने का आदेश दिया है।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने चुनाव में हार के बाद दिया इस्तीफा

ब्रुसेल्स/वार्ता। बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू ने राष्ट्रीय और यूरोपीय संघ के चुनावों में पार्टी की हार के बाद इस्तीफा दे दिया है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को राजा फिलिप को इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने इस्तीफा स्वीकार कर लिया और डी क्रू से कहा कि नई सरकार बनने तक वे मौजूदा मामलों को संभालते रहें। राजा फिलिप की संघीय सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए राजनीतिक हस्तियों से परामर्श करने की उम्मीद है। वह रविवार को चुने गए सबसे बड़े दलों के नेताओं से आज मुलाकात करेंगे।

कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव को बढ़ने से रोकना ज़रूरी : जापानी सरकार

टोक्यो/वार्ता। जापानी सरकार ने सोमवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में कूड़े से भरे गुब्बारे भेजना फिर से शुरू कर दिया है, जिसके बाद कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव बढ़ाने से बचना की सलाह दी है, साथ ही सोल ने प्रचार प्रसारण फिर से शुरू करने की कसम खाई है। जापानी मुख्य कैबिनेट मंत्री योशिमासा हयाशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह महत्वपूर्ण है कि इससे दोनों कोरियाई देशों के बीच संघर्ष एवं तनाव न बढ़े या स्थिति और खराब न हो। हम प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करना चाहते हैं। दक्षिण कोरिया सहित विभिन्न देशों के साथ सहयोग करते हुये जरुरत पड़ने पर अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहेंगे।

रिलायंस पावर बन गई एकल आधार पर ऋण-मुक्त कंपनी

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस पावर ने ऋणदाताओं का सारा बकाया कर्ज चुका दिया है और अब वह एकल आधार पर कर्ज-मुक्त कंपनी बन गई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी पर करीब 800 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज था जिसे बैंकों को चुका दिया गया है। रिलायंस पावर ने दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच आईडीबीआई बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस सहित विभिन्न बैंकों के साथ कई ऋण निपटान समझौतों पर हस्ताक्षर किए। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने अब इन बैंकों का पूरा कर्ज चुका दिया है। दिसंबर 2023 में रिलायंस पावर ने अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित 1,200 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना के विकास अधिकार टीएचडीसी को 128 करोड़ रुपये में बेचे।

11-06-2024	12-06-2024
सूर्यास्त 6:45 बजे	सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
76,490.08	23,259.20
(-203.28)	(-30.95)

सोना	चांदी
7,380 रु.	91,100 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

भारत एक-दूसरे की चिंताओं के सम्मान पर आधारित द्विपक्षीय संबंधों का पक्षधर : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंतान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को उनके बधाई संदेश के लिए सोमवार को धन्यवाद दिया और साथ ही कहा कि भारत आपसी समझ तथा एक-दूसरे की चिंताओं के सम्मान' के आधार पर द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के पक्ष में है। मोदी ने कनाडा की ओर से खालिस्तान समर्थक तत्वों को बढ़ावा देने के संदर्भ में उक्त बातें कहीं।

प्रधानमंत्री ने रविवार को लगातार तीसरी बार देश का नेतृत्व संभालने के बाद एक्स पर कहा,बधाई संदेश के लिए ट्रूडो को धन्यवाद। भारत आपसी समझ और एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति सम्मान के आधार पर कनाडा के साथ काम करने को उत्सुक है।

मोदी कनाडाई प्रधान मंत्री ट्रूडो के एक बधाई संदेश का जवाब दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन पर आधारित हमारे देशों के लोगों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए कनाडा उनकी (भारत की) सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है।

मोदी ने तीसरी बार संभाला प्रधानमंत्री पद का कार्यभार, किसान निधि की किश्त को दी मंजूरी

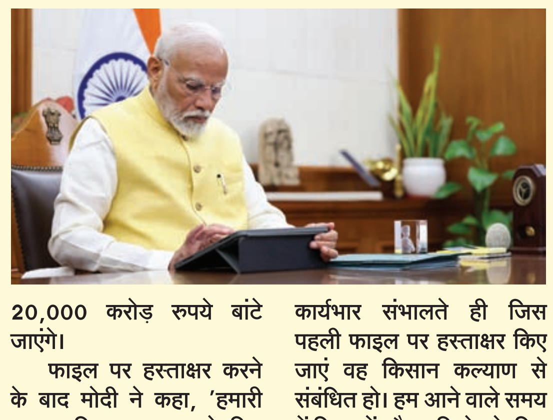

नई दिल्ली/वार्ता। नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यहां लगातार तीसरी बार देश प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला और अपने पहले निर्णय में प्रधानमंत्री किसान निधि की 17 वीं किस्त जारी करने की मंजूरी देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मोदी सुबह अपने कार्यालय पहुंचे और कार्यभार संभाला। उन्होंने सबसे पहले किसान निधि की किश्त जारी करने की फाइल पर हस्ताक्षर किए।इससे 9.3 करोड़ किसानों को फायदा होगा और करीब 20,000 करोड़ रुपये बांटे जाएंगे।

फाइल पर हस्ताक्षर करने के बाद मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार किसान कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध सरकार है। इसलिए यह उचित है कि कार्यभार संभालते ही जिस पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए जाएं वह किसान कल्याण से संबंधित हो। हम आने वाले समय में किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए और भी अधिक काम करते रहना चाहते हैं।

प्रतिभा, मनमोहन, देवेगौड़ा से मोदी ने मांगा आशीर्वाद

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने से पर पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तथा एच डी देवेगौड़ा से सोमवार को फोन कर उनका आशीर्वाद मांगा। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के सूत्रों ने यहां यह जानकारी दी। इससे पूर्व नरेन्द्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि शुरू से ही पीएमओ ने सेवा का अधिष्ठान और जनता का पीएमओ बनाने का प्रयास किया है।

पप्पू यादव के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज

पूर्णिया (बिहार)/भाषा। बिहार के नवनिर्वाचित सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के खिलाफ एक व्यवसायी ने द्वारा जबरन वसूली करने का आरोप लगाये जाने के बाद सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूर्णिया जिले की पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार यादव ने साज-सजावट का व्यवसाय करने वाले शिकायतकर्ता को चार जून को मतगणना के दिन अपने आवास पर बुलाया और उनसे ''एक करोड़ रुपये' मांगे। पुलिस ने बयान में कहा, ''शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि यादव ने पहले 2021 और 2023 में इसी तरह की मांग की थी। आरोप लगाया कि इस बार यादव ने रुपये नहीं देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी और चेतावनी दी कि उन्हें अगले पांच साल तक सांसद से निपटना होगा।''

सीबीएसई ने फर्जी पाठ्यक्रम, नमूना प्रश्न पत्र को लेकर चेतावनी जारी की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को एक परामर्श जारी कर छात्रों और अभिभावकों को 2024-25 सत्र के पाठ्यक्रम, संसाधनों और नमूना प्रश्न पत्रों के बारे में भ्रामक जानकारी के प्रति आगाह किया। बोर्ड ने विद्यार्थियों से असत्यापित खबरें फैलाने वाले ऑनलाइन पोर्टलों का शिकार न बनने का आग्रह किया। परामर्श में कहा गया है, हमें पता चला है कि कुछ ऑनलाइन पोर्टल और वेबसाइट नमूना प्रश्न पत्रों, पाठ्यक्रम, सीबीएसई संसाधनों और गतिविधियों से संबंधित पुराने लिंक और असत्यापित समाचार प्रसारित कर रहे हैं। ये लिंक और समाचार सत्र 2024-25 की अद्यतन जानकारी प्रदान करने का झूठा दावा करते हैं। परामर्श में कहा गया है, जनहित में, हम जोर देकर कहना चाहते हैं कि अनधिकृत स्रोतों से प्राप्त जानकारी भ्रामक हो सकती है और स्कूलों, छात्रों, अभिभावकों व अन्य हितधारकों के बीच अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकती है।

मोदी के मंत्रिमंडल में निरंतरता के दर्शन, 13 कैबिनेट मंत्रियों को मिले पुराने विभाग

- शिवराज को कृषि, नड्डा को स्वास्थ्य की जिम्मेदारी
- नितिन गडकरी को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय
- अमित शाह को गृह मंत्रालय और सहकारिता मंत्रालय
- राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्रालय, डॉ एस जयशंकर को विदेश मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी तीसरी मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण मंत्रालयों में पुराने सहयोगियों पर भरोसा जताया है और जो मंत्री दोबारा चुन कर नहीं आये हैं, उन्हें नये सदस्यों को दिया गया है। इस प्रकार से मोदी ने तीसरे कार्यकाल में निरंतरता को सुनिश्चित किया है।

राष्ट्रपति भवन से सोमवार शाम नये मंत्रियों के कार्य विभागों की सूची जारी की गयी। इससे पहले मोदी की अध्यक्षता में पहली कैबिनेट की बैठक हुई। 30 कैबिनेट मंत्रियों में से 13 मंत्री ऐसे हैं जिन्हें वही मंत्रालय दिये गये हैं जिन्हें वे पिछले कार्यकाल संभाल रहे थे। इनमें जगत प्रकाश नड्डा भी शामिल हैं जो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वही विभाग संभाल रहे थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय इस बार भी मध्य प्रदेश के पास आया है। पिछले कार्यकाल में नरेन्द्र सिंह तोमर के पास था।

नई मंत्रिपरिषद में सरकार के प्रवक्ता की जिम्मेदारी अश्विनी वैष्णव को मिली है। उन्हें रेलवे, सूचना प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक्स का विभाग दोबारा सौंपा गया है तथा संचार ले कर सूचना प्रसारण जैसा महत्वपूर्ण विभाग दिया गया है। सड़क निर्माण की गति को बनाये रखने के लिए गडकरी को इसकी जिम्मदारी पुन: दी गयी है।

सूची के अनुसार कैबिनेट मंत्रियों में राजनाथ सिंह को रक्षा, अमित शाह को गृह एवं सहकारिता, नितिन गडकरी को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, जगत प्रकाश नड्डा को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उवर्रक, शिवराज सिंह चौहान को कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास, निर्मला सीतारमण को वित्त एवं कारपोरेट मामले, डॉ एस जयशंकर को विदेश, मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा एवं शहरी विकास, एच डी कुमारस्वामी को भारी उद्योग एवं इस्पात, पीयूष गोयल को वाणिज्य एवं उद्योग, धर्मेन्द्र प्रधान को शिक्षा, जीतन राम मांझी को सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह को पंचायती राज, मछली पालन, पशुपालन एवं डेयरी, सर्वानंद सोनोवाल को बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग, डॉ वीरेन्द्र कुमार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, के राममोहन नायडू को नागरिक उड्डयन, प्रल्हाद जोशी को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जनवितरण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, जुएल ओरांव को आदिवासी मामले, गिरिराज सिंह को वस्त्र, अश्विनी वैष्णव को रेलवे, सूचना प्रसारण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, ज्योतिरादित्य सिंधिया को संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, भूपेन्द्र यादव को वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, गजेन्द्र सिंह शेखावत को पर्यटन एवं संस्कृति, अन्नपूर्णा देवी को महिला एवं बाल विकास, किरेन रिजीजू को संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामले, हरदीप सिंह पुरी को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, जी किशन रेड्डी को कोयला एवं खान, चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तथा सी आर पाटिल को जलशक्ति मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन करोड़ घरों के निर्माण के लिए सरकारी सहायता को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत तीन करोड़ घरों के निर्माण के लिए सरकारी सहायता को मंजूरी दी गई। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की यह पहली मंत्रिमंडल बैठक 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास पर हुई। बैठक में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी दलों के मंत्री शामिल हुए। अधिकारियों ने कहा, ''आज मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि पात्र परिवारों की संख्या में वृद्धि से उत्पन्न आवास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों को आवास निर्माण के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।'' भारत सरकार ने 2015-16 से प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की है, ताकि पात्र ग्रामीण और शहरी परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से लैस मकान बनाने में सहायता प्रदान की जा सके। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पिछले 10 वर्षों में पात्र गरीब परिवारों के लिए कुल 4.21 करोड़ घरों का निर्माण किया गया है।

प्रेम सिंह तमांग ने सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। एसकेएम के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग ने सोमवार को लगातार दूसरी बार सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

तमांग (56) को यहां पालजोर स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ 11 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह में हजारों की संख्या में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) समर्थक मौजूद थे और उन्होंने नेपाली भाषा में शपथ लेने वाले तमांग का उत्साहवर्धन किया। तमांग के शपथ लेते ही स्टेडियम में पटाखों की तेज आवाज गूंज उठी। सिक्किम में पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध है।

मुख्यमंत्री के साथ 11 अन्य मंत्रियों ने शपथ ली, जिनमें सोनम लामा, अरुण कुमार उप्रेती, समदुप लेप्चा, भीम हंग लिंबू, भोज राज राय, जी. टी. धुंगेल, पूरन कुमार गुरुंग, पिंट्सो नामग्याल लेप्चा, नर बहादुर दहल, राजू बसनेत और शेरिंग थेंडुप भूटिया शामिल हैं। सिक्किम में मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 12 सदस्य हो सकते हैं। तीन मंत्रियों अरुण कुमार उप्रेती, नर बहादुर दहल और राजू बसनेत ने नेपाली में, जबकि आठ अन्य मंत्रियों ने अंग्रेजी में शपथ ली। पिछली सरकार के केवल चार मंत्रियों को ही इस बार मंत्री बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने एसकेएम के दो विधायकों भोज राज राय और राजू बसनेत को क्रमश: पोकलोक-कामरांग और नामचेयबुंग विधानसभा क्षेत्रों में एसडीएफ प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को हराने के लिए मंत्री पद से पुरस्कृत किया है।

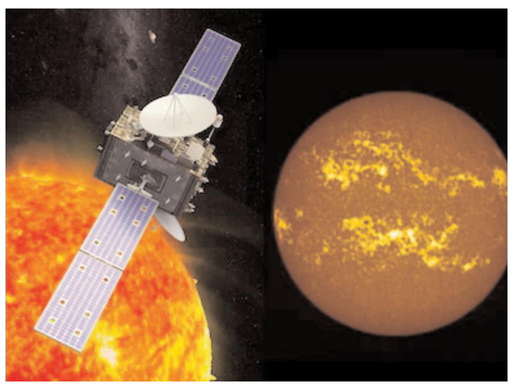

इसरो के आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान ने सौर लपटों की तस्वीरें लीं

बेंगलूरु/भाषा। इसरो के आदित्य-एल1 अंतरिक्षयान के दो रिमोट सेंसिंग उपकरणों ने हाल ही में हुए सौर लपटों की तस्वीरें कैद कीं। अंतरिक्ष एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत का पहला सौर मिशन आदित्य-एल1 इस साल छह जनवरी को लैग्रेंजियन बिंदु (एल1) पर पहुंचा। यह अभियान दो सितंबर, 2023 को शुरू हुआ था, जिसके 127 दिन बाद उपकरणों ने ये तस्वीरें भेजी हैं। एल1 पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर स्थित है और इसकी मदद से लगातार सूर्य की तस्वीरें ली जा रही हैं। इसरो ने एक बयान में बताया कि 'सोलर अल्ट्रा वॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप' (एसयूआईटी) और 'विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ' (वीईएलसी) ने मई 2024 के दौरान सूर्य की गतिशील गतिविधियों की तस्वीरें लीं। कोरोनल मास इजेक्शन' (सीएमई) से जुड़े कई एक्स-क्लास और एम-क्लास फ्लेयर्स, जो महत्वपूर्ण भू-चुंबकीय तूफानों को जन्म देते हैं, रिकॉर्ड किए गए। सूर्य के सक्रिय क्षेत्र में आठ से 15 मई के सप्ताह के दौरान कई बार सौर लपटे उठीं। इसरो ने 17 मई को एसयूआईटी पेलोड द्वारा प्राप्त सूर्य की तस्वीरें जारी कीं और वीईएलसी द्वारा किए गए अवलोकनों का विवरण भी साझा किया।

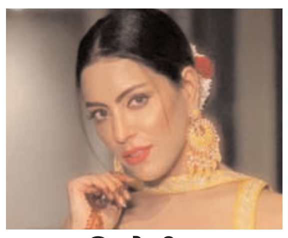

अभिनेत्री नूर मालविका दास ने मुंबई में अपने फ्लैट में आत्महत्या की

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री नूर मालविका दास ने यहां ओशिवारा स्थित अपने फ्लैट में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने 2023 की वेब सीरीज 'द ट्रायल' में अभिनय किया था। एक अधिकारी ने बताया कि 31 वर्षीय अभिनेत्री का सड़ा-गला शव शुक्रवार शाम को मिला। पड़ोसियों ने उनके अपार्टमेंट से दुर्गंध आने की शिकायत की थी। दास 2023 की वेब सीरीज 'द ट्रायल' में बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल की सह-कलाकार थीं। उन्होंने बताया कि जांच से पता चला है कि अभिनेत्री ने मंगलवार शाम को अपने फ्लैट में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली थी और एक पड़ोसी ने पुलिस को दुर्गंध आने की सूचना दी।

मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता से विचार करने की जरूरत : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है।
- अशांति या तो भड़की या भड़काई गई, लेकिन मणिपुर जल रहा है और लोग इसकी तपिश का सामना कर रहे हैं।

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में एक वर्ष बाद भी शांति स्थापित नहीं होने पर सोमवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि संघर्ष प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार किया जाना चाहिए।

यहां रेशमबाग में डॉ. हेडगेवार स्मृति भवन परिसर में संगठन के 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय' के समापन कार्यक्रम में आरएसएस प्रशिक्षुओं की एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि विभिन्न स्थानों और समाज में संघर्ष अच्छा नहीं है।

उन्होंने चुनावी बयानबाजी से बाहर आकर देश के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा है। दस साल पहले मणिपुर में शांति थी। ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा। चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अशांति या तो भड़की या भड़काई गई, लेकिन मणिपुर जल रहा है और लोग इसकी तपिश का सामना कर रहे हैं।

पिछले साल मई में मणिपुर में मेइती और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़क उठी थी। तब से अब तक करीब 200 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि बड़े पैमाने पर आगजनी के बाद हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। इस आगजनी में मकान और सरकारी इमारतें जलकर खाक हो गई हैं। पिछले कुछ दिनों में जिरीबाम से ताजा हिंसा की सूचना आयी हैं।

हाल में हुए लोकसभा चुनावों के बारे में भागवत ने कहा कि नतीजे आ चुके हैं और सरकार बन चुकी है, इसलिए क्या और कैसे हुआ आदि पर अनावश्यक चर्चा से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आरएसएस कैसे हुआ, क्या हुआ जैसी चर्चाओं में शामिल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि संगठन केवल मतदान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने का अपना कर्तव्य निभाता है। उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि आम जनता के लिए काम किया जा सके।

भागवत ने कहा कि चुनाव बहुमत हासिल करने के लिए होते हैं और यह एक प्रतिस्पर्धा है, युद्ध नहीं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल और नेता एक-दूसरे की बुराई कर रहे हैं, लेकिन वे इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि इससे समुदायों के बीच दरार पैदा हो सकती है।

सहयोगी दलों पर निर्भर नई सरकार के लिए कठोर सुधारों को लागू करना मुश्किल होगा : यूबीएस

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सहयोगी दलों पर निर्भर नई सरकार के लिए कड़े सुधारों को लागू करना मुश्किल होगा। स्विस ब्रोकरेज फर्म यूबीएस सिक्योरिटीज ने सोमवार को यह बात कही।

यूबीएस सिक्योरिटीज ने कहा कि अगर सरकार भूमि, खेती, विनिवेश, समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव जैसे कड़े सुधारों को लागू कर पाती है, तो वृद्धि की संभावित दर 7.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। भारत में यूबीएस प्रमुख अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कठोर सुधारों को लागू करके अगले पांच वर्षों में वृद्धि की संभावित दर वर्तमान के 6.5-7 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है।'' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों पर निर्भरता का जिक्र करते हुए कहा, ''2019 और 2014 के चुनावों की तुलना में इस बार कठोर सुधारों को आगे बढ़ाना कठिन होगा।'' उन्होंने कहा कि सरकार अगले 12-18 महीनों में विनिर्माण को बढ़ावा देने, पहले से पारित श्रम कानूनों को लागू करने और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देगी। जैन ने कहा, ''हमें लगता है कि भूमि सुधार, बुनियादी ढांचे पर खर्च को बढ़ावा देने, विनिवेश, कृषि विधेयक, समान नागरिक संहिता, एक राष्ट्र एक चुनाव सहित कठोर सुधारों को लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा।''

सीआईएसएफ कांस्टेबल शायद कंगना के पुराने बयान से नाराज थी: मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि अभिनेत्री कंगना रनौत को कथित तौर पर थप्पड़ मारने वाली केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की महिला कांस्टेबल शायद किसान आंदोलन को लेकर भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद के पिछले बयानों से नाराज थी। मान ने आतंकवाद वाली टिप्पणी को लेकर कंगना पर भी निशाना साधा। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह घटना नहीं होनी चाहिए थी। पिछले सप्ताह चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ की महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर ने कंगना को कथित तौर पर थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद पंजाब के मुख्यमंत्री की यह पहली प्रतिक्रिया थी।

कौर किसान आंदोलन को लेकर कंगना के बयान से कथित तौर पर नाराज थी। घटना को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए मान ने कहा, देखिए, महिला कांस्टेबल के अंदर गुस्सा था। वह (कंगना) पहले भी इस तरह की बातें कह चुकी हैं। कंगना का जिक्र करते हुए मान ने कहा कि चाहे कोई फिल्म अभिनेत्री हो या सांसद, यह कहना गलत है कि पूरा पंजाब एक आतंकवादी राज्य है और राज्य में आतंकवाद है। उन्होंने देश के स्वतंत्रता संग्राम में पंजाब के योगदान को याद किया और कहा कि यह देश को भोजन उपलब्ध कराता है। मान ने कहा, हर मुद्दे पर आप कहती हैं कि वे आतंकवादी और अलगाववादी हैं। अगर किसान विरोध प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें आतंकवादी कहा जाता है। यह गलत है।

झारखंड में नक्सल समस्या अब केवल पांच जिलों तक सीमित रह गई है : डीजीपी

रांची/भाषा। झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय कुमार सिंह ने सोमवार को कहा कि राज्य में नक्सलियों के खिलाफ समन्वित और ठोस अभियान के कारण उनकी गतिविधियां 24 जिलों में से केवल पांच जिलों तक सिमटकर रह गयी हैं, जिनमें चाईबासा सबसे अधिक प्रभावित है।

सिंह ने कहा कि नक्सलियों से उत्पन्न खतरे को कम करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं और राज्य में उनका प्रभाव स्पष्ट है। उन्होंने ये टिप्पणियां कानून-व्यवस्था, नक्सल समस्या और अपराध नियंत्रण समेत प्रमुख मुद्दों को लेकर हुई समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए की। डीजीपी ने विश्वास जताया कि नक्सल विरोधी अभियानों की सफलता से शीघ्र ही नक्सल घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी।

मालवीय ने 'अपमानजनक आरोपों' को लेकर वकील को नोटिस भेजा

कांग्रेस ने जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने उनके खिलाफ ''झूठे और अपमानजनक आरोप'' लगाने के लिए कोलकाता के एक वकील को कानूनी नोटिस भेजा है और इसके लिए माफी की मांग की है।

इस बीच, कांग्रेस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा अपने आईटी विभाग के प्रमुख के रूप में मालवीय को बर्खास्त कर दे क्योंकि उनके खिलाफ ''यौन शोषण'' के आरोप हैं।

मुख्य विपक्षी दल ने मालवीय के खिलाफ स्वतंत्र जांच की मांग की है।

संपर्क करने पर मालवीय ने आरोपों पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की, लेकिन आरोप लगाने वाले शांतनु सिन्हा को भेजे गए कानूनी नोटिस का हवाला दिया।

नोटिस में मालवीय के वकील ने कहा कि सिन्हा ने फेसबुक पर एक पोस्ट में उनके मुवक्किल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से ''कुछ झूठे और अपमानजकन आरोप'' लगाए।

सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मेरा फेसबुक पोस्ट किसी को लक्ष्य बनाकर नहीं किया गया था। मैं उन राज्य भाजपा नेताओं से सवाल करना चाहता था जो अपने दिल्ली के आकाओं को खुश करने के लिए संदिग्ध तरीकों का इस्तेमाल करते हैं ताकि वे यहां अपने पदों पर बने रह सकें। मेरे फेसबुक पोस्ट को गलत तरीके से पेश किया गया है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने जो भी कहा है, मैं उस पर कायम हूं। मैंने न तो अपना पोस्ट वापस लिया है और न ही किसी धमकी के सामने झुकने वाला हूं।'' सिन्हा ने कहा, ''मैंने कानूनी नोटिस का जवाब देने के लिए समय मांगा है। इस बीच अगर वे कोई दीवानी या आपराधिक कार्यवाही शुरू करते हैं, तो मैं उसके अनुसार जवाब दूंगा।'' अपने वकील के माध्यम से कानूनी नोटिस में मालवीय ने सिन्हा से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और ''अपमानजनक बयान'' वापस लेने के लिए कहा है।

छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में प्रदर्शन के दौरान हिंसा; कई वाहन जलाये, सरकारी कार्यालय में तोड़फोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलौदाबाजार/भाषा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में धार्मिक स्तंभ को नुकसान पहुंचाने के विरोध में सतनामी समाज का आंदोलन सोमवार को हिंसक हो गया। इस दौरान आंदोलनकारियों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया और सरकारी कार्यालय में तोड़फोड़ भी की।

गत 15 और 16 मई की दरमियानी रात को कुछ अज्ञात लोगों ने बलौदाबाजार जिले के गिरौदपुरी धाम में पवित्र अमर गुफा में स्थित सतनामी समाज द्वारा पूजे जाने वाले 'जैतखंभ' में तोड़फोड़ की थी।

घटना के विरोध में सतनामी समाज ने सोमवार को यहां दशहरा मैदान में विरोध-प्रदर्शन और जिलाधिकारी कार्यालय के घेराव का आह्वान किया था।

इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां एकत्र हुए थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जिलाधिकारी कार्यालय की ओर बढ़ने से रोकने के लिए कई स्थानों पर अवरोधक लगा दिए थे।

बलौदाबाजार के पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार ने बताया, ''सतनामी समाज ने शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया था, लेकिन विरोध हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया और अवरोधक तोड़कर जिलाधिकारी कार्यालय में घुस गए। उन्होंने कार्यालय भवन पर पथराव किया और वहां खड़े कई वाहनों को आग लगा दी।''

कुमार ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रदर्शनकारी कई मोटरसाइकिल, कार और एक भवन में आगजनी करते दिख रहे हैं और भीड़ दमकल विभाग के एक वाहन को भी आग के हवाले कर रही है। वीडियो में प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी दिख रही है।

राज्य सरकार ने पहले ही 'जैतखंभ' की तोड़फोड़ की घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए हैं। अधिकारी ने बताया, ''विभिन्न संगठनों और सतनामी समाज के प्रतिनिधियों की मांग पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।''

शर्मा ने आज सुबह एक बयान में कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली ऐसी घटनाएं राज्य में कहीं भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने सभी से सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का भी अनुरोध किया है।

आप ने हरियाणा भवन में दिल्ली में पेयजल संकट के विरुद्ध किया प्रदर्शन

नई दिल्ली/भाषा। पड़ोसी राज्य हरियाणा पर यमुना नदी का दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को यहां हरियाणा भवन पर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी विधायक कुलदीप कुमार समेत आप के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने हरियाणा की भाजपा सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की।

कुमार ने कहा, '' भाजपा गंदी राजनीति कर रही है और दिल्ली के लोगों को उनके हिस्से के पानी से वंचित कर रही है, जबकि उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है। उप राज्यपाल को दिल्ली के लोगों के प्रतिनिधि के तौर पर हस्तक्षेप करना चाहिए।'' दिल्ली सरकार ने पिछले एक पखवाड़े के दौरान बार-बार हरियाणा पर राष्ट्रीय राजधानी के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है।

उधर, भाजपा, आप नेताओं पर जल संकट के मुद्दे पर झूठ बोलने का आरोप लगा रही है।

भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप सरकार की लचर व्यवस्था के कारण पानी की चोरी और बर्बादी हो रही है।

'कांग्रेस को मराठा हितों का विरोध करने के परिणाम महाराष्ट्र चुनाव में भुगतने होंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना (महाराष्ट्र)/भाषा। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को दावा किया कि कांग्रेस मराठा समुदाय के हितों के खिलाफ बोल रही है और इसके परिणाम उसे इस साल के अंत में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भुगतने होंगे।

जालना के अंतरवाली सारथी गांव में अपने अनिश्चितकालीन अनशन के तीसरे दिन संवाददाताओं से बात करते हुए जरांगे ने मसौदा अधिसूचना के क्रियान्वयन की अपनी मांग दोहराई, जिसमें कुनबियों को मराठा समुदाय के सदस्यों के 'रक्त संबंधी' के रूप में मान्यता दी गई है और उन्होंने कुनबियों की मराठा के रूप में पहचान के लिए एक कानून की मांग की।

कुनबी एक कृषि समूह है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आता है। जरांगे मांग कर रहे हैं कि सभी मराठों को कुनबी प्रमाणपत्र जारी किए जाएं ताकि वे आरक्षण के लाभ के लिए पात्र बन सकें। जालना से नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसद कल्याण काले ने सोमवार को गांव का दौरा किया और जरांगे से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में जीत में मराठा आरक्षण आंदोलन के प्रभाव को भी स्वीकार किया। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने ओबीसी में से इस समुदाय को आरक्षण दिए जाने का विरोध किया था। वडेट्टीवार की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर जरांगे ने सोमवार को कहा, कांग्रेस ने हाल के लोकसभा चुनावों में मराठा लोगों से वोट लिए और अब वे हमारे हितों के खिलाफ बोल रहे हैं। विधानसभा चुनावों में उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। जरांगे से मिलने के बाद काले ने कहा, वडेट्टीवार को इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए। मैं उनके बयान का समर्थन नहीं करता। उन्होंने कहा, जरांगे की वजह से ही मैं जालना लोकसभा सीट से निर्वाचित हुआ हूं।

इस वर्ष फरवरी में महाराष्ट्र विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया, जिसमें एक अलग श्रेणी के तहत शिक्षा और सरकारी नौकरियों में मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान था।

झारखंड में नक्सल समस्या अब केवल पांच जिलों तक सीमित रह गई है : डीजीपी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंत्रिपरिषद में दिल्ली से एकमात्र मंत्री और भाजपा सांसद हर्षदीप मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि वह लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय का यमुना पार परिसर और अपने निर्वाचन क्षेत्र में झुग्गीवासियों को घर उपलब्ध कराना शामिल है।

मल्होत्रा पहली बार सांसद बने हैं, जिन्होंने पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में आम आदमी पार्टी (आप) के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुलदीप कुमार को 93,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा में दिल्ली विश्वविद्यालय का परिसर स्थापित करने के साथ-साथ कलंदर कॉलोनी झुग्गी को स्थायी घरों से बदलने के अपने वादों पर काम शुरू करने का इरादा रखता हूं।

तेलंगाना सरकार किसानों और शिक्षा से जुड़े मुद्दों के लिए आयोग गठित करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार शिक्षा और किसानों से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए जल्द ही आयोग का गठन करेगी।

रेवंत रेड्डी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि अल्पसंख्यक एवं महिला आयोग शिकायतें प्राप्त करता है तथा समस्याओं (अल्पसंख्यकों एवं महिलाओं की) के समाधान के लिए सरकारों को सिफारिशें एवं निर्देश देता है। रेड्डी ने कहा, ''हमारी सरकार ने दो क्षेत्रों को विशेष रूप से चिन्हित किया है। एक है शिक्षा और दूसरा है कृषि। हमारी सरकार ने शिक्षा आयोग के माध्यम से आपकी समस्याओं के समाधान की दिशा में निरंतर काम करने के लिए एक तंत्र बनाने का निर्णय लिया है।'' प्रस्तावित किसान आयोग नकली बीज, उर्वरक और अन्य के संबंध में रैयतों (किसानों) की शिकायतों का समाधान करेगा तथा उनके कल्याण के लिए सिफारिशें करेगा।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा और कृषि आयोगों की स्थापना को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि निजी कॉर्पोरेट संस्थान अपने छात्रों की उपलब्धियों का विज्ञापन करते हैं, जबकि सरकारी स्कूलों के छात्रों का पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना सरकार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि देश के 90 प्रतिशत सिविल सेवा अधिकारी, वरिष्ठ राजनेता, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू और यहां तक कि वह स्वयं भी शामिल हैं, सरकारी स्कूलों के छात्र रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले साल दिसंबर में सत्ता संभालने के तुरंत बाद डीएससी (जिला चयन समिति) परीक्षा प्रणाली के तहत शिक्षकों की भर्ती के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है और सरकार ने पुराने सरकारी स्कूल भवनों के पुनर्निर्माण तथा स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए काम शुरू कर दिया है।

शिवसेना को कैबिनेट मंत्री का पद मिलना चाहिए : सांसद बारणे

पुणे/भाषा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के सांसद श्रीरंग बारणे ने नवगठित नरेन्द्र मोदी सरकार में पार्टी को कैबिनेट मंत्री का पद नहीं मिलने पर सोमवार को निराशा व्यक्त की और पक्षपात का आरोप लगाया। हालांकि, लोकसभा में शिवसेना के नेता श्रीकांत शिंदे ने स्पष्ट किया कि पार्टी बिना शर्त सरकार को समर्थन दे रही है और मंत्री पद के लिए कोई सौदेबाजी नहीं हुई है।

शिवसेना (यूबीटी) के संजोग वाघेरे पाटिल को हराकर तीसरी बार मावल सीट बरकरार रखने वाले बारणे ने बताया कि हालिया लोकसभा चुनाव में शिवसेना द्वारा सात सीटें जीतने के बावजूद पार्टी को नवगठित मोदी सरकार में केवल एक राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का पद दिया गया।

शिवसेना सांसद ने कहा कि एच.डी. कुमारस्वामी और जीतन राम मांझी जैसे नेताओं को भी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री बनाया गया, जिनकी पार्टियों ने क्रमशः दो और एक सीट जीती है। उन्होंने कहा कि सतारा से भाजपा सांसद उदयनराजे भोसले भी कैबिनेट मंत्री बनने के हकदार हैं। बारणे ने संवाददाताओं से कहा, हमें उम्मीद थी कि शिवसेना को कैबिनेट मंत्री का पद मिलेगा, लेकिन केवल एक सीट जीतने वाली पार्टियों से भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया।

बीआर आम्बेडकर के पोते आनंदराज ने

रायगढ़ में विरोध प्रदर्शन के दौरान मनुस्मृति की प्रति जलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार की कथित तौर पर स्कूली पाठ्यक्रम में मनुस्मृति के कुछ श्लोक शामिल करने की योजना का रिपब्लिकन सेना के नेता और बी आर आम्बेडकर के पोते आनंदराज आम्बेडकर ने विरोध किया और रायगढ़ में प्रदर्शन के दौरान मनुस्मृति की प्रति जलाई।

आनंदराज और उनके समर्थक सोमवार को रायगढ़ जिले के महाड़ शहर में क्रांति स्तंभ पर एकत्र हुए और राज्य शिक्षा विभाग के खिलाफ नारे लगाए।

सभा को संबोधित करते हुए रिपब्लिकन सेना के नेता ने स्कूल पाठ्यक्रम में प्राचीन ग्रंथ (मनुस्मृति) के श्लोक शामिल करने की सरकार की योजना की आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने मनुस्मृति की एक प्रति जलाई।

मनुस्मृति की प्रति जलाने के बाद और पुलिस सुरक्षा बढ़ने पर प्रदर्शनकारी शीघ्र ही तितर-बितर हो गये।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले पर जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए क्रांति स्तंभ और चावदार तले क्षेत्र के पास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

चंद्रशेखर के राजनीति से सन्यास लेने के सोशल मीडिया पोस्ट पर थरूर ने भी जतायी प्रतिक्रिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता राजीव चंद्रशेखर के राजनीति से सन्यास लेने संबंधी सोशल मीडिया पोस्ट पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भी प्रतिक्रिया दी है।

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में थरूर और चंद्रशेखर के बीच कड़ा मुकाबला रहा था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री रहे चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर राजनीति से सन्यास लेने के बारे में पोस्ट किया था, लेकिन बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका मतलब यह था कि लोकसभा सदस्य और राज्य मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। उन्होंने तुरंत अपनी उस पोस्ट को हटा दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, ''आज राजनीति में मेरे 18 साल के कार्यकाल का समापन हो रहा है। तीन साल मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की टीम मोदी2.0 के साथ काम करने का सौभाग्य मिला।''

इसके तुरंत बाद चंद्रशेखर ने उस पोस्ट को हटा दिया और एक नये पोस्ट में उन्होंने कहा कि पिछला पोस्ट एक प्रशिक्षु द्वारा किया गया था और इससे ''जनता के एक वर्ग में मेरे राजनीतिक भविष्य के बारे में भ्रम पैदा हो गया है।'' तिरुवनंतपुरम सीट पर अपनी जीत बरकरार रखने वाले कांग्रेस नेता थरूर ने शुरुआती पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें भरोसा है कि चंद्रशेखर में देश की जनता के लिए सेवा जारी रखने का जज्बा है।

थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''राजीव चंद्रशेखर, मैंने आपकी सरकार के कार्यकाल के दौरान आपके साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप लोगों की सेवा कर हमारे देश के लिए और भी बहुत कुछ योगदान दे सकते हैं। सेवा के लिए निर्वाचित होना केवल एक रास्ता है (और आप इतने युवा हैं कि आप एक और प्रयास कर सकते हैं!) भविष्य के लिए शुभकामनाएं।''

चंद्रशेखर ने स्पष्ट किया है कि भाजपा के एक कार्यकर्ता के रूप में देश और तिरुवनंतपुरम को आगे ले जाने के लिए उनका कार्य और प्रतिबद्धता पहले की तरह ही अथक है।

लातूर में सूखा प्रभावित किसानों ने दो घंटे तक राजमार्ग जाम किया

लातूर/भाषा। सूखा सहायता और अन्य राहत उपायों के वितरण में कथित देरी के विरोध में सैकड़ों किसानों ने सोमवार दोपहर को रेनापुर तहसील में लातूर-अम्बेजोगाई राजमार्ग को दो घंटे तक जाम कर दिया।

विरोध प्रदर्शन का आयोजन करने वाले शेतकरी संगठन के गजन बोलंगे ने संवाददाताओं को बताया कि रेनापुर तहसील को सूखा प्रभावित घोषित किया गया है, लेकिन पात्र व्यक्तियों को अभी तक सहायता और अन्य राहत नहीं मिली है। हालांकि उन सभी ने अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) विवरण भरे हैं। उन्होंने कहा, ''सत्तर प्रतिशत से अधिक पात्र किसानों को सूखा सहायता या अन्य प्रकार की सहायता नहीं मिली है। हम इस पर तहसीलदार से स्पष्टीकरण चाहते हैं। प्राधिकारियों को बैंकों के प्रबंधन से पूछना चाहिए कि यह पैसा हमारे खातों में क्यों नहीं जमा किया गया है। हम किसानों की मदद के लिए 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर फसल बीमा सब्सिडी की भी मांग कर रहे हैं। बोलंगे ने कहा कि किसानों ने प्रतीकात्मक विरोध के तहत रेनापुर तहसील कार्यालय का गेट बंद कर दिया, जबकि लातूर-अम्बेजोगाई राजमार्ग पर पिंपलफाटा में दो घंटे तक धरना दिया गया। संगठन के संपर्क प्रमुख दत्ताजी शिंगड़े ने कहा कि यदि 20 जून तक किसानों को राहत नहीं मिली तो क्षेत्र में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मांगों का एक ज्ञापन नायब तहसीलदार उगले को सौंपा गया है।

न्यायालय ने कर्नाटक के पूर्व मंत्री के खिलाफ तय किए गए आरोपों को रद्द करने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2016 में कर्नाटक के धारवाड़ जिले में भाजपा कार्यकर्ता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में राज्य के पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी के खिलाफ एक विशेष अदालत द्वारा तय किए गए आरोपों को निरस्त करने से सोमवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है।

कुलकर्णी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि विधायक का नाम केवल सीबीआई द्वारा दायर किए गए दूसरे आरोपपत्र में है और मृतक की विधवा के बयान में उनके नाम का जिक्र नहीं किया गया है।

पीठ ने कहा, आपने स्पष्ट रूप से विधवा को खरीद लिया। विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) खारिज की जाती है। उच्च न्यायालय ने आठ अप्रैल को कुलकर्णी के खिलाफ एक विशेष अदालत द्वारा तय किए गए आरोपों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था और विशेष अदालत से तीन महीने के भीतर उनके खिलाफ मुकदमा पूरा करने और आपराधिक मामले का निपटारा करने को कहा था। इसने कहा था कि पूर्व और वर्तमान सांसदों तथा विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों से निपटने के लिए विशेष रूप से गठित विशेष अदालत द्वारा तय किए गए आरोप बताते हैं कि विशेष अदालत के न्यायाधीश द्वारा उचित प्रक्रिया अपनाई गई थी।

भाजपा के जिला पंचायत सदस्य गौड़ा की 15 जून 2016 को धारवाड़ में हत्या कर दी गई थी। सितंबर 2019 में राज्य सरकार ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी। नवंबर 2020 में एजेंसी ने मामले के संबंध में पूछताछ के बाद कुलकर्णी को गिरफ्तार कर लिया था।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि आरोपियों की गौड़ा के साथ व्यक्तिगत दुश्मनी और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता थी, जिन्होंने 2016 में जिला पंचायत चुनाव से हटने के उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। कुलकर्णी ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है।

प्रधानमंत्री मोदी की तीसरी बार शपथ के हर्ष में नारे लगाने वाले युवकों पर हमला

मंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत के प्रधानमंत्री पद पर नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरी बार शपथ लेने की खुशी में मंगलुरु में भारत माता की जय' के नारे लगा रहे तीन युवकों पर चाकू से हमला कर दिया गया।

पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंगलूरु पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि नौ जून को बंटवाल के कोनाझे इलाके के बोलार में कुछ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थकों ने मस्जिद के समीप से गुजरते हुए हर्ष में 'भारत माता की जय' के नारे लगाये जिससे वहां मुस्लिम समुदाय के लोग आक्रोश में आ गये।

उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में एकत्रित युवकों ने भाजपा समर्थक युवकों का मोटरसाइकिल से पीछा किया और लगभग दो किलोमीटर दूर एक बार के निकट तीन युवकों को घेर कर लाठी, डंडों से उनकी जमकर पिटाई की। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने दो युवकों को चाकू से वारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अग्रवाल ने बताया कि घायलों की पहचान हरीश (41), नंदकुमार (24) और कृष्णकुमार के रूप में हुई है जिन्हें डेराला कट्टे के के.एस हेगड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है और दो की हालत गंभीर है।

घटना के बाद राज्य सरकार के मंगलुरु प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने घटना की निंदा की है और कहा कि जांच के बाद हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, बंटवाल के विधायक राजेश नायक और मंगलुरु शहर दक्षिण के विधायक वेदव्यास कामथ ने पुलिस से हिंदू युवकों पर हमला करने वालों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

बधाई

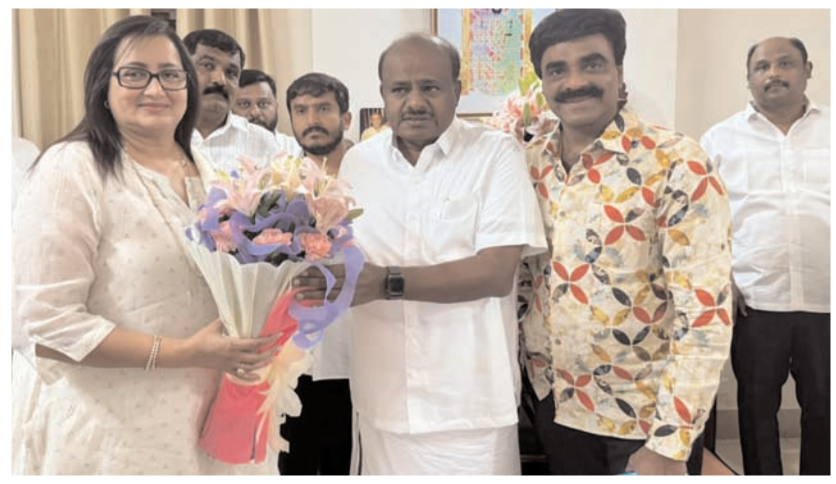

नई दिल्ली में सोमवार को शाम को केन्द्रीय मंत्री बने एचडी कुमारस्वामी को बधाई देने पूर्व सांसद सुमलता अम्बरीश और फिल्म निर्माता रॉकलाइन वेंकटेश पहुंचे। गौरतलब है कि सुश्री सुमालता अम्बरीश ही थीं, जिन्होंने कुमारस्वामी को चुनाव लड़ने में मदद करने के लिए मंड्या में अपनी सीट छोड़ दी थी।

कर्नाटक कांग्रेस नेता ने राज्य से किसी पिछड़ा-दलित सांसद को मंत्री नहीं बनाने पर राजग की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर ने राज्य के पिछड़ा वर्ग और दलित समुदाय से किसी सांसद को मंत्रिपरिषद में शामिल नहीं करने को लेकर सोमवार को राजग सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि सरकार गठन की कवायद में इन समुदायों की ''अनदेखी'' की गई। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ऐसा लगता है कि वे (भाजपा/राजग) पिछड़े वर्गों और दलित समुदायों को नहीं चाहते हैं। इन समुदायों से ऐसे कई लोग हैं जो राज्य में उस पार्टी से चुने गए हैं।

पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व प्रमुख ने कहा, वे उनके नामों पर विचार कर सकते थे लेकिन यह उनके विवेकाधिकार पर निर्भर करता है। लेकिन यह स्पष्ट है कि इन समुदायों की अनदेखी की गई। कर्नाटक से पांच सांसद, रविवार को शपथ लेने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की मंत्रिपरिषद का हिस्सा हैं। भाजपा की निर्मला सीतारमण (राज्यसभा) और प्रह्लाद जोशी तथा जनता दल (सेक्युलर) के एच डी कुमारस्वामी ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली, जबकि भाजपा की शोभा करंदलाजे ने वी सोमन्ना के साथ राज्य मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।

सीतारमण और जोशी ब्राह्मण जाति से हैं, जबकि कुमारस्वामी और करंदलाजे प्रभावशाली वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। सोमन्ना राज्य के एक अन्य प्रभावशाली समुदाय-लिंगायत से हैं। कर्नाटक में लोकसभा की 28 सीट में से 19 पर राजग ने जीत दर्ज की, जिनमें भाजपा ने 17 और जद(एस) ने दो सीट जीती। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नौ सीट हासिल की।

यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस में समुदायों के आधार पर और भी उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने के बारे में चर्चा हुई है, परमेश्वर ने कहा, ''ऐसी कोई बात नहीं है, ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। महज इसलिए कि कोई बोल रहा है, यह पार्टी का मुद्दा नहीं हो सकता।'' उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व जो भी फैसला करेगा, वह अंतिम होगा। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें लगता है कि इस तरह के कदम उठाने की जरूरत है, तो वे फैसला करेंगे। सिद्दरामैया सरकार में वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले डी. के. शिवकुमार एकमात्र उपमुख्यमंत्री हैं।

राजग सरकार में दक्षिण भारत से 13 मंत्रियों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु से एक दर्जन से अधिक सांसदों को रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया तथा दक्षिणी राज्यों में भाजपा के गठबंधन सहयोगियों को भी पुरस्कृत किया गया। जद (एस) नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी तथा पिछली मंत्रिपरिषद में शामिल रहे भाजपा नेता निर्मला सीतारमण और प्रल्हाद जोशी उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने नयी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में भव्य समारोह में शपथ ली।

पिछली मोदी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और कर्नाटक की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में मंत्री रहे वी सोमन्ना ने भी शपथ ली। ये दोनों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हैं। सीतारमण, कुमारस्वामी और जोशी को जहां कैबिनेट मंत्री बनाया गया, वहीं करंदलाजे और सोमन्ना को राज्य मंत्री बनाया गया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल जद (एस) के कोटे से कुमारस्वामी को मंत्री बनाया गया है, जो कर्नाटक के प्रमुख वोक्कालिगा समुदाय से संबंध रखते हैं।

कर्नाटक में राजग को 28 लोकसभा सीट में से 19 सीट पर जीत मिली। इनमें भाजपा ने 17 और जद (एस) ने दो तथा राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नौ सीट पर जीत दर्ज की। आंध्र प्रदेश से तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के दो सांसदों- के. राममोहन नायडू और चंद्रशेखर पेम्मासानी तथा भाजपा के श्रीनिवास वर्मा को मंत्री बनाया गया। 5,700 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक पेम्मासानी 18वीं लोकसभा में मंत्रिपरिषद में शामिल होने वाले सबसे अमीर मंत्री हैं।

केरल से, राज्य में भाजपा के एकमात्र लोकसभा सदस्य सुरेश गोपी और पार्टी के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन पहली बार मंत्री बने। सांसद नहीं होने के बावजूद कुरियन को मंत्रिपिरषद में शामिल किए जाने को ईसाई समुदाय तक भाजपा की पहुंच की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। तेलंगाना के भाजपा नेता किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार को भी मोदी 3.0 सरकार में शामिल किया गया है। तमिलनाडु से एल मुरुगन को नयी सरकार में राज्य मंत्री के तौर पर शामिल किया गया है।

प्रदर्शन

नीट यूजी परीक्षा में अनियमितता के खिलाफ एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया।

यौन उत्पीड़न मामले में प्रज्ज्वल को भेजा न्यायिक हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना को बेंगलूरु शहर की एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ तीन यौन उत्पीड़न मामलों के पहले मामले में उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। अदालत में सोमवार को सुनवाई के बाद अब प्रज्ज्वल को 24 जून तक एसआईटी की कड़ी पूछताछ का सामना करना होगा। अदालत ने आरोपों की गंभीरता और एसआईटी द्वारा पेश किए गए सबूतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें 24 जून तक 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला किया।

कर्नाटक सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने प्रज्ज्वल को आज विशेष अदालत के समक्ष पेश किया। विशेष रूप से, एसआईटी ने प्रारंभिक मामले में आगे की हिरासत की मांग नहीं की है। यौन उत्पीडन के आरोपी प्रज्ज्वल के लिए कानूनी कार्यवाही अभी खत्म होते हुई नहीं दिखाई दे रही है। एसआईटी उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के दूसरे मामले में हिरासत की मांग कर सकती है। इस बीच, प्रज्ज्वल ने शेष दो मामलों में अग्रिम जमानत की मांग की है, जिन पर विशेष अदालत विचार कर रही है।

प्रज्ज्वल पर कानूनी कार्रवाई 31 मई को जर्मनी से वापस लौटने के साथ शुरू हुई जब एसआईटी ने उन्हें छह दिनों के लिए गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसकी पुलिस रिमांड 10 जून तक बढ़ा दी गई थी। एक संबंधित घटनाक्रम में प्रज्ज्वल की मां भवानी रेवन्ना, उनके बेटे द्वारा कथित रूप से यौन उत्पीड़न मामले में महिला का अपहरण करने की आरोपी हैं। पिछले शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय से भवानी को जमानत मिल गई थी। भवानी ने जांचकर्ताओं के साथ सहयोग किया और मामले के संबंध में पूछताछ के लिए उपस्थित हुई।

रेवन्ना परिवार में कानूनी परेशानियों बढ़ती जा रही हैं। दुष्कर्म पीड़िता अपहरण मामले में प्रज्ज्वल के पिता और जेडीएस विधायक रेवन्ना की जमानत के खिलाफ एसआईटी की कार्रवाई 14 जून तक के लिए स्थगित की गई है। इसके अतिरिक्त, रेवन्ना के खिलाफ मामले को अमान्य करने वाली याचिका पर 21 जून को सुनवाई होनी है।

जनता का फैसला खतरे की घंटी है, सुधार की जरूरत : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि आम चुनावों में आए हालिया नतीजे एक चेतावनी की घंटी हैं और इसके लिए सुधार की जरूरत है।

कुमारकृपा स्थित अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम सभी नेताओं के साथ समीक्षा बैठकें करेंगे। यह आत्मनिरीक्षण करने और आवश्यक सुधार करने का समय है। नतीजे खतरे की घंटी हैं।

उन्होंने कहा, आज हम बेंगलूरु निर्वाचन क्षेत्रों के लिए समीक्षा बैठक कर रहे हैं और राज्य के अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी इसी तरह की समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। हम जल्द ही इन समीक्षा बैठकों की तारीखों की घोषणा करेंगे। कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के नतीजों पर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा नाखुशी जताए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमें 14-15 सीटें जीतने का भरोसा था, लेकिन हम ये संख्याएं हासिल करने में विफल रहे। हमें लोगों के फैसले को स्वीकार करना होगा। हमें पार्टी नेताओं के गांवों और कस्बों में भी वोट नहीं मिले हैं, हम इस पर विचार-विमर्श करेंगे।

कुछ मंत्रियों द्वारा हार के लिए विधायकों को जिम्मेदार ठहराए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, किसी ने मुझसे इस बारे में शिकायत नहीं की है। आरोप-प्रत्यारोप का कोई मतलब नहीं है। निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभारी नेताओं को पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करनी चाहिए और हार के कारणों की जांच करनी चाहिए तथा सिफारिशें पेश करनी चाहिए।

विधायक बसवराज शिवगंगा के एक बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, विधायकों को अनावश्यक रूप से सार्वजनिक रूप से बयान जारी नहीं करना चाहिए। उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर समस्या पर चर्चा करने की जरूरत है।

प्रह्लाद जोशी केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रबल समर्थक और लंबे समय से भाजपा कार्यकर्ता प्रहलाद

जोशी को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री बनाया गया है। वह आरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव हारने वाले आर के सिंह की जगह लेंगे। जोशी कर्नाटक में भाजपा के गढ़ धारवाड़ से पांच बार सांसद रहे हैं। उनकी मुख्य चुनौती देश में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाने की है। सरकार ने हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रोलाइजर की विनिर्माण क्षमता स्थापित करने के लिए 19,744 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मिशन के तहत हरित हाइड्रोजन और अमोनिया के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन भी दिया जाता है। इसके अलावा, जोशी को हर साल 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि सुनिश्चित करनी होगी। वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। जोशी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा नेता अमित शाह का करीबी माना जाता है। उन्होंने पिछले मंत्रिमंडल में कोयला, खान और संसदीय मामलों के विभागों को संभाला था।

पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की हिरासत 14 तक बढ़ाई

चेन्नई। धन शोधन के एक मामले में पिछले साल गिरफ्तार किये गए तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की हिरासत यहां की एक अदालत ने सोमवार को 14 जून तक बढ़ा दी और मामले के सिलसिले में एक बैंक को निर्देश देने के अनुरोध संबंधी उनकी याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया। पूर्व मंत्री को अभियोजन ने केंद्रीय पुझल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये प्रधान सत्र न्यायाधीश के समक्ष पेश किया और अदालत ने पूर्व मंत्री की न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी। बालाजी को नकदी के बदले नौकरी मामले के सिलसिले में 14 जून 2023 को गिरफ्तार किया गया था। यह मामला पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार के दौरान का है।

मरम्मत कार्य

बेंगलूरु में बीवीके अय्यंगर रोड पर सड़क मरम्मत कार्य चल रहा है और ऊपर से मानसून मेहरबान है। स्थानीय व्यापारियों और ग्राहकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ब्रांड बेंगलूरु

बेंगलूरु में सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने बेंगलूरु कांग्रेस विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ 'कृष्णा' में ब्रांड बेंगलूरु समेत कई मुद्दों पर मंत्रणा की। इस मौके पर मंत्री रामलिंगारेड्डी, केजे जॉर्ज, जमीर अहमद खान, विधायक हैरिस, यू.बी. वेंकटेश, रिजवान अरशद, कृष्णप्पा, यू.बी. वेंकटेश, सुदामादास, नागराज यादव, राज्यसभा सदस्य जी.सी. चन्द्रशेखर, राजीव गौड़ा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, गोविंदराजू और अन्य उपस्थित थे।

सिद्धार्थन मामले को सीबीआई को सौंपने में कोई देरी नहीं हुई : मुख्यमंत्री विजयन

तिरुवनंतपुरम/दक्षिण भारत । केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को वायनाड में केरल पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के एक छात्र की मौत के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को देरी सौंपे जाने के आरोपों को खारिज कर दिया। 20 वर्षीय सिद्धार्थन की मौत के संबंध में राज्य विधानसभा में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए विजयन ने कहा कि मामले को सीबीआई को सौंपने में कोई देरी नहीं की गई और तुरंत मामले में कड़ी कार्रवाई की गई है।

सिद्धार्थन ने 18 फरवरी को कथित रूप से कॉलेज छात्रावास के बाथरूम में फांसी लगा ली थी। विजयन ने कलपेट्टा के विधायक टी सिद्धिकी द्वारा इस मामले में की गई कार्रवाई और सीबीआई जांच में जानबूझकर देरी किए जाने के आरोपों के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दिया।

विजयन ने कहा, राज्य सरकार ने मामले की जांच में देरी नहीं की, लेकिन गृह विभाग के कुछ अधिकारी मामले को सीबीआई को सौंपने की प्रक्रिया पूरी करने में विफल रहे। इस संबंध में तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सिद्धार्थन के रिश्तेदारों ने नौ मार्च को उनसे मुलाकात की थी और उसी दिन मामला सीबीआई को सौंपने का आदेश जारी कर दिया गया था। विजयन ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि जांच के आधार पर इस मामले में 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा की केरल इकाई में कोई बदलाव नहीं होगा : सुरेंद्रन

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने सोमवार को उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि पार्टी की प्रदेश इकाई में बदलाव होगा। सुरेंद्रन ने त्रिशूर लोकसभा सीट जीतने वाले अभिनेता-राजनीतिक नेता सुरेश गोपी के बारे में उन खबरों को भी फर्जी बताया जिनमें कहा गया है कि वह नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट या राज्य मंत्री (स्वतंत्र) प्रभार नहीं बनाए जाने से नाराज हैं।

गोपी ने रविवार को राजग सरकार में राज्य मंत्री पद की शपथ ली थी। नयी दिल्ली में मीडिया के साथ बातचीत में सुरेंद्रन ने केरल मीडिया का मजाक उड़ाया और कहा कि पत्रकारों का एक तबका भाजपा की प्रदेश इकाई के खिलाफ फर्जी खबरें फैला रहा है। उन्होंने दावा किया कि मीडिया ने खबर फैलाई थी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई त्रिशूर लोकसभा सीट से गोपी को हराने के लिए काम कर रही है।

सुरेंद्रन ने कहा, शुरुआत में, आपने (मीडिया) आरोप लगाया कि भाजपा की केरल इकाई ने सुरेश गोपी को सत्यजीत रे फिल्म इंस्टिट्यूट का अध्यक्ष बनाकर उनसे बचने की योजना बनाई थी। आपने दावा किया था कि सुरेश गोपी त्रिशूर से चुनाव नहीं लड़ेंगे। जब चुनाव की घोषणा हुई तो मीडिया और कुछ तथाकथित पर्यवेक्षकों ने दावा किया कि प्रदेश भाजपा इकाई सुरेश गोपी को हराने की कोशिश कर रही है।

गोपी ने त्रिशूर लोकसभा सीट पर %4,686 मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। सुरेंद्रन ने कहा कि लोगों ने फर्जी खबरों को खारिज कर दिया है।

उन्होंने कहा, मीडिया के एक तबके ने यह भी दावा किया कि मैं प्रदेश प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दूंगा। मैं शाम को आपको (मीडिया) कार्यभार सौंप दूंगा। क्या यह ठीक है?

सुरेंद्रन ने कहा कि भाजपा की केरल इकाई से दो केंद्रीय मंत्री हैं और पार्टी का वोट शेयर 20 प्रतिशत बढ़ा है। भाजपा के प्रदेश प्रमुख ने कहा, हमने खुद को एक राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है, लेकिन फिर भी आप (मीडिया) हम पर हमला करने की कोशिश कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में बस हमले के पीड़ितों के गांव-घरों में पसरा मातम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के बस हमले में जयपुर जिले के दो परिवारों ने अपने चार सदस्यों को खो दिया और इनके गांव-घरों में कल रात से ही मातम पसरा है। परिजनों को भरोसा नहीं हो रहा है कि वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा पर गए ये लोग अब कभी जिंदा नहीं लौटेंगे। कपड़ों की दुकान के संचालक राजेंद्र सैनी और उनकी पत्नी ममता अपने दो रिश्तेदारों और उनके बेटे के साथ बृहस्पतिवार को वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुए थे। तब किसी को अंदाजा नहीं था कि यह यात्रा दोनों परिवारों के लिए 'कहर' बन जाएगी। राजेंद्र और पूजा के दो बेटे और एक बेटी जयपुर के पास चौमूं शहर की पांच्यावाला की ढाणी में अपने छोटे से घर में रहते हैं। उन्हें अपने माता-पिता का तीर्थ यात्रा से लौटने का इंतजार है। हालांकि, वे नहीं जानते कि उनके माता पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। उन्हें बस इतना पता है कि उनके माता-पिता सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए जयपुर लाया जा रहा है।

आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर गोलियां बरसाईं, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गयी और कई लोग घायल हो गए। बस शिव खोड़ी मंदिर से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही थी और इसी दौरान पोनी इलाके के तेरयाथ गांव के पास हमला किया गया और गोलीबारी के बाद बस गहरी खाई में गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि इसमें राजेंद्र सैनी (42), उनकी पत्नी ममता (40), उनकी रिश्तेदार पूजा सैनी (30) और उनके दो साल के बेटे टीटू की मौत हो गई, जबकि पूजा का पति पवन घायल हो गया।

राजेंद्र और ममता चौमूं के रहने वाले थे जबकि पूजा चौमूं रोड पर हरमाड़ा इलाके में अजमेरा की ढाणी की रहने वाली थी। आतंकी हमले और इन लोगों की मौत की खबर मिलते ही दोनों गांवों में मातम छा गया। स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों ने राजेंद्र के दो बेटों और बेटी को अभी यह नहीं बताया है कि क्या हुआ। उन्हें बस यह बताया गया है कि माता-पिता घायल हो गए हैं। राजेंद्र की एक रिश्तेदार पूजा ने चौमूं में संवाददाताओं से कहा, हमें कल रात पता चला कि बस खाई में गिरने से दुर्घटना हुई है, लेकिन आज हमें सच्चाई पता चली कि आतंकवादियों ने हमला किया था और बस खाई में गिर गई।

उन्होंने कहा कि वे सभी बस में आगे बैठे थे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इनमें केवल पवन ही जीवित हैं। उन्होंने बताया कि राजेंद्र के बच्चों को अभी तक यह बात नहीं बताई गई है। उन्होंने कहा, वे केवल यह जानते हैं कि उनके माता-पिता घायल हैं और उन्हें यहां लाया जा रहा है। राजेंद्र की एक बेटी और दो बेटे हैं। उन्होंने अपने माता-पिता को खो दिया है। ऐसे में अब उनकी आर्थिक हालत खराब हो जाएगी क्योंकि राजेंद्र परिवार में इकलौते कमाने वाले थे। चौमूं से कुछ ही किलोमीटर दूर अजमेरा की ढाणी में लोग पूजा और उसके दो साल के बेटे की मौत पर गमजदा हैं। पूजा की शादी चार साल पहले गांव में ई-मित्र की दुकान करने वाले पवन से हुई थी।

चौमूं के तहसीलदार विजयपाल ने बताया कि चार लोगों की मौत हो गई है और एक घायल है, जिनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम जम्मू-कश्मीर में कराया गया है जिन्हें जयपुर लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभ दिलाने का प्रयास किया जायेगा। तहसीलदार ने बताया कि राज्य सरकार के मानदंडों के अनुसार वित्तीय सहायता जारी की जाएगी। इसके साथ ही दानदाताओं से राजेंद्र और ममता के अब अनाथ हो गए बच्चों की मदद के लिए आगे आने की अपील की जाएगी।

वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए कायरतापूर्ण हमले में जयपुर जिले के रहने वाले चार नागरिकों की मृत्यु का समाचार दुखद है। राजस्थान सरकार के उच्च अधिकारियों को शीघ्र ही जम्मू कश्मीर के अधिकारियों व स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित कर पार्थिव शरीर दिवंगतों के परिजनों तक पहुंचाने हेतु निर्देश दिए गए हैं। शर्मा ने यह भी कहा कि इस कठिन समय में हमले के प्रभावितों के साथ हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है।

भजनलाल ने जताया दुख

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर आतंकवादी हमले के बाद बस खाई में गिर जाने से इसमें राजस्थान के चार लोगों की मौत हो जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया हैं। शर्मा ने सोशल मीडिया पर कहा कि जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए कायरतापूर्ण हमले में जयपुर जिले निवासी चार नागरिकों की मृत्यु का समाचार दुःखद है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के उच्च अधिकारियों को शीघ्र ही जम्मू कश्मीर के अधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित कर पार्थिव शरीर दिवंगतों के परिजनों तक पहुंचाने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

भजनलाल राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर कल लेंगे परेड की सलामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजसथान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य राज्य स्तरीय समारोह बुधवार को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) परिसर में आयोजित किया जायेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। शर्मा समारोह में सेरेमोनियल परेड की सलामी लेंगे तथा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों को पुलिस पदक प्रदान करेंगे। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने बताया कि आरपीए में यह कार्यक्रम बुधवार को सुबह साढ़े सात बजे से आरम्भ होगा। आरपीए के परेड ग्राऊंड में आयोजित होने वाली सेरेमोनियल परेड में राजस्थान पुलिस अकादमी, चतुर्थ एवं पांचवी बटालियन आरएसी, हाड़ी रानी बटालियन, एसडीआरएफ, जीआरपी, एमबीसी एवं ईआरटी की एक-एक प्लाटून के अलावा जयपुर पुलिस आयुक्तालय की तीन प्लाटून (निर्भया स्कवॉड प्लाटून, पुलिसकर्मी प्लाटून और यातायात प्लाटून) सहित कुल 11 प्लाटून भाग लेंगी।

साहू ने बताया कि इस समारोह के बाद आरपीए में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा वहीं बुधवारशाम सात बजे से जयपुर में जवाहर सर्किल स्थित पत्रिका गेट पर पुलिस बैंड का प्रदर्शन किया जाएगा, इसमें राजस्थान पुलिस कें सैन्ट्रल बैंड, हाड़ी रानी बटालियन और संयुक्त बैंज (ब्रास बैंड) का डिस्प्ले होगा। राज्य स्तर पर गुरुवार को प्रातः 10 बजे से 11.30 बजे तक जयपुर में आरपीए में पुलिस कार्यों में विधि विज्ञान से जुड़े विषयों पर सेमीनार आयोजित होगा। इसी दिन शाम को आरपीए में सांस्कृतिक संध्या और बड़ा खाना का आयोजन रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को राजस्थान पुलिस दिवस मनाया जाता है। गत 16 अप्रैल को राजस्थान पुलिस स्थापना के अवसर पर लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के मध्यनजर पुलिस मुख्यालय सहित पुलिस आयुक्तालय, पुलिस रेंज, पुलिस जिलों, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और पुलिस यूनिट्स में केवल औपचारिक कार्यक्रम हुए थे। अब पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस मुख्यालय, पुलिस रेंज, पुलिस जिला और पुलिस यूनिट्स में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालते ही लिया किसानों के हित में पहला निर्णय : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालते ही पहला निर्णय किसानों के हित में लेते हुए पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। शर्मा ने मोदी के सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कर्मशील एवं कर्तव्यनिष्ठ प्रधानमंत्री मोदी का प्रथम निर्णय किसानों के हित में गया हैं। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी कर छ20 हजार करोड़ वितरित किए, जिससे लगभग 9.3 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि कृषक-कल्याण को सतत समर्पित मोदी के यशस्वी नेतृत्व में यह निर्णय किसानों के जीवन में आशा, समृद्धि और विकास का नव-प्रभात लेकर आएगा।

एकजुट विपक्ष केंद्र में सरकार की जवाबदेही तय करेगा : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि एकजुट विपक्ष केंद्र में सरकार की जवाबदेही तय करेगा और उसे पिछले 10 वर्ष की तरह मनमाने ढंग से शासन नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है इसीलिए वह उस रवैये के साथ काम नहीं कर पाएगी जो पिछले 10 वर्षो में रहा।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से कहा, लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिला है..किसी एक दल को सरकार बनाने का जनादेश नहीं मिला है। अब मिली जुली सरकार है। भविष्य में देखते हैं क्या होता है? लेकिन मुझे लग रहा है कि जिस तरह का रवैया और शासन पिछले 10 साल में रहा वो शायद अब नहीं हो पायेगा।

उन्होंने कहा, भविष्य में क्या होगा? यह मैं नहीं कह सकता हूं लेकिन शुरुआती संकेत दिखाते हैं कि तेवर ढीले पड़े हैं। जो पहले रवैया था उसमें तब्दीली आयेगी। उन्होंने कहा, अब संसद में जो विपक्षी दल हैं वह काफी संख्या में सीट जीत कर आये हैं तो मनमानी तरीके से पहले संसद में जो कार्यवाही हुआ करती थी वो अब हम नहीं होने देंगे। सारा विपक्ष एकजुट है...एकमत है और 'इंडिया' बड़ी मजबूती के साथ संसद के अंदर और बाहर सरकार को सचेत रखेगा तथा जवाबदेही तय करेगा।

उन्होंने जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में श्रद्धालुओं पर आतंकवादियों के हमले पर दुख व्यक्त करते हुए कहा पुलिस प्रशासन उस पर कार्रवाही करे और इस प्रकार की घटनाएं अगर वहां बढ़ती हैं तो चिंता का विषय है।

एसआई पेपर लीक मामले में एएसपी का पति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने 2021 सब-इंस्पेक्टर एसआई भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के पति को गिरफ्तार किया है। एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक वीके सिंह ने बताया कि सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में अनुचित साधनों की सुविधा देने वाले नेटवर्क के मास्टरमाइंड तुलसाराम कालेर (57) को रविवार को यहां जयसिंह पुरा इलाके से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा, आरोपी कालेर उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में अनुचित साधन उपलब्ध कराने वाले लोगों का सरगना है। उसे रविवार को गिरफ्तार किया गया और उससे पूछताछ की जा रही है।

तुलसाराम बर्खास्त पुलिस उप-निरीक्षक है और 1993 में सेवा से बर्खास्त होने के बाद से विभिन्न ब्लूटूथ-सक्षम उपकरणों के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक कराने व नकल कराने में सक्रिय रहा है। पुलिस के अनुसार, कालेर 1991 में पुलिस एसआई के रूप में चुना गया था। उसे 1993 में डीडवाना, नागौर में पोस्टिंग के दौरान हवाला धन लूटने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

1995 में, उसने जोधपुर में 'चाणक्य' नाम से एक कोचिंग संस्थान खोला और 2006 में अध्यापक नमिता खोखर से शादी करने के बाद बीकानेर रहने लगा। खोखर फिलहाल राजस्थान पुलिस मुख्यालय में एएसपी के पद पर कार्यरत हैं।

जब स्वयं के शरीर को रखेंगे स्वस्थ, तभी शहर को भी रख पाएंगे स्वच्छ : डॉ. सौम्या गुर्जर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर द्वारा जयपुर योग महोत्सव-2024 का आगाज 10 जून से हो गया है। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा शहरवासियों को योगमय करने के लिये सोमवार सुबह प्रातः 6 बजे से योग भवन गौत्तम मार्ग शिवज्ञान एनक्लेव बिल्डिंग के सामने, किंग्स रोड, निर्माण नगर से योग महोत्सव-2024 की शुरूआत की।

महापौर ने इस अवसर पर योग साधकों को कहा कि योग से मन व शरीर स्वस्थ होते है और मन व शरीर स्वस्थ होगे तो शहरवासी पूरी तन्मयता के साथ शहर को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दे पायेगे। उन्होंने सभी से शहर को स्वच्छ रखने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने की अपील भी की।

21 जून तक चलने वाले योग शिविरों में प्रत्येक शिविर की शुरूआत गायत्री सूक्ष्म नैनो यज्ञ से की जायेगी। जिसका आयोजन गायत्री परिवार द्वारा करवाया जा रहा है। सभी योग साधकों द्वारा यज्ञ में आहूती दी जायेगी और पर्यावरण सरंक्षण संर्वधन, मानव कल्याण की प्रार्थना की जायेगी। योग शिविर में साधकों को सूर्य नमस्कार, ध्यान, प्रायाणाम करवाया गया। जिसके अन्तर्गत 300 से भी अधिक योग साधकों ने भाग लिया योग शिविर में महिलाओं की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। योग शिविर में स्थानीय पार्षद वार्ड नं. 64 राजेन्द्र अग्रवाल, क्रीड़ा भारती योग संस्थान के सतपाल, मनीष विजयवर्गीय, ओम प्रकाश मित्तल सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड़ स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कार्य में और अधिक गति लाते हुए तय समय-सीमा में इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि समय-सीमा के साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि ऐतिहासिक राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। 136 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस राजस्थान हाउस के 2 बेसमेंट स्ट्रक्चर का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

लोअर और अपर बेसमेंट में हवा के लिए डक्ट लगाने तथा फायर फाईटिंग के लिए पाईप इत्यादि लगाने का कार्य प्रगति पर है। अधिकारियों ने बताया कि लोअर बेसमेंट में अंडर ग्राउंड वाटर टैंक एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सिविल कार्य भी प्रगति पर हैं।

धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को गोविंददेवजी मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलित कर पर्यावरण एवं गौ रक्षा संरक्षणार्थ संतों एवं मद्भागवताचार्य विद्वानों के सम्मेलन का शुभारंभ किया। पंचायती राज मंत्री ने सर्वप्रथम उपस्थित संतों एवं विद्वानों को नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि धरती माता का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। इस वर्ष सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।यह हम सबके लिए खतरे की घंटी है।अभी भी नहीं चेते तो संकट में पड़ जायेंगे।भारत माता बहुत दुखी है इस दुःख को हम सभी को समझना चाहिए।इस धरती पर पेड़ ही हमें बचा सकते हैं।पेड़ों से प्राणवायु, शीतलता व वर्षा मिलती है।

उन्होंने कहा कि हमें माँ अमृता देवी के बलिदान को आत्मसात करना चाहिए।इनके नेतृत्व में 363लोगों ने बलिदान दिया लेकिन पेड़ काटने नहीं दिया। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि संत एवं गुरुजन भी अपने प्रवचनों में अनुयायियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करें।यह जनता का काम है।अब यह जन आंदोलन बन गया है।विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को भी कहा गया है कि जितने आपके परिवार में सदस्य हैं उतने पेड़ अवश्य लगाएं।

विधायक बालमुकुन्दाचार्य ने कहा कि देवी देवताओं के स्वरूप के रूप में पूजे जाने वाले, औषधीय एवं छायादार वृक्ष लगाने के लिए जोर दिया।प्रत्येक व्यक्ति 21 वृक्ष अवश्य लगाएं। सम्मेलन में हवामहल विधायक एवं हाथोज धाम महंत बालमुकुन्दाचार्य ,गोविंददेवजी मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने दिलावर एवं उपस्थित विद्वानों को सम्मानित किया । दिलावर ने इस अवसर पर एक पेड़ भी लगाया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित संतों ने मंत्री महोदय को अधिक से अधिक पेड़ लगाने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने का भरोसा दिलाया।

पंचायत संस्थाओं के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग पोर्टल से की जाए : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि पंचायती राज विभाग आमजन के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाला विभाग है। ऐसे में यह जरुरी है कि विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रदेश की अधिक से अधिक जनता तक पहुँच सके। उन्होंने निर्देश दिए कि पंचायत संस्थाओं के कार्यों एवं गतिविधियों की पोर्टल के माध्यम से प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए और विभाग की अधिकाधिक जानकारी एवं सूचनाएं पोर्टल पर समय-समय पर अपडेट की जाए।

उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा योजना के माध्यम से प्रदेश के जरूरतमंद एवं गरीब तबके के लोगों को राज्य सरकार रियायती दर पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि अन्नपूर्णा योजना (ग्रामीण) के तहत संचालित रसोइयों का अधिकारी नियमित रूप से निरिक्षण करें ताकि भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत परोसी जाने वाली थाली में श्रीअन्न (मिलेट्स) को जोड़कर भोजन को स्थानीय लोगों की जरूरतों के अनुरूप किया गया है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत सोमवार को शासन सचिवालय में पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में जल संग्रहण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' के अंतर्गत होने वाले कार्यों को निर्धारित समय में क्रियान्वित किया जाए। पंत ने कहा कि विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधि एवं विभागीय कर्मचारी-अधिकारियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण को ऑनलाइन भी किया जाए एवं मिशन कर्मयोगी के ळत्रऋढ प्लेटफार्म के कोर्स मॉड्यूल में अधिकाधिक नामांकन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की सुशासन की नीति की पालना में अधिकारी अपने ई-फाइलिंग के औसत निस्तारण समय में और सुधार करें। पंत ने स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि योजना के कार्यों का मासिक लक्ष्य बनाकर पूरा किया जाए और इसी आधार पर योजना की मॉनिटरिंग भी की जाए।

मुख्य सचिव ने बैठक में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि हमें अपने आस पास हो रहे नवाचारों से प्रेरणा लेकर उन्हें अपनाने को हमेशा तैयार रहना चाहिए।

नेपाल के प्रधानमंत्री और मालदीव के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में मालदीव के उनके समकक्ष मोहम्मद मुइज्जू और नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने मुलाकात की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रचंड के साथ बैठक के दौरान कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत नेपाल प्राथमिकता वाला भागीदार है।

उन्होंने दोनों देशों के बीच ''अद्वितीय संबंधों को और मजबूत करने'' के लिए देश की प्रतिबद्धता व्यक्त की। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने नेपाल में विभिन्न क्षेत्रों में विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की, जिससे दोनों देशों के लोगों को फायदा हो रहा है।

मुर्मू ने राष्ट्रपति मुइज्जू का स्वागत करते हुए मालदीव की नई सरकार और लोगों को शुभकामनाएं दीं तथा विश्वास जताया कि द्वीपीय राष्ट्र उनके नेतृत्व में समृद्धि और विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। बयान में कहा गया, दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और बहुआयामी संबंधों का उल्लेख किया और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव, क्षमता निर्माण सहयोग, आर्थिक और व्यापार संबंधों तथा विकास सहयोग सहित हमारे व्यापक द्विपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण स्तंभों पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में भारत-मालदीव के संबंधों का मजबूत होना जारी रहेगा। प्रचंड और मुइज्जू दोनों भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात नेताओं में शामिल रहे जिन्होंने रविवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में भाग लिया।

जयशंकर ने मुइज्जु, शेख हसीना और रानिल विक्रमसिंघे के साथ कीं द्विपक्षीय बैठकें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ सोमवार को द्विपक्षीय बैठकें कीं।

जयशंकर ने नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ से भी मुलाकात की।

भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के सात नेता रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली में थे।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''नई दिल्ली में आज मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु से मिलकर खुशी हुई। भारत और मालदीव के मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं।''

जयशंकर मोदी की पूर्ववर्ती कैबिनेट में विदेश मंत्री थे। उन्होंने रविवार को केंद्रीय मंत्री के तौर पर फिर से शपथ ली। मुइज्जु के पिछले साल 17 नवंबर को मालदीव का राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

ऐसा माना जाता है कि मुइज्जु का रुख चीन समर्थक है। उनके मालदीव के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बाद से भारत और मालदीव के संबंधों में भारी तनाव पैदा हो गया है। उन्होंने शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाए जाने की मांग की थी। इस महीने की शुरुआत में भारतीय सैन्यकर्मियों की जगह आम नागरिकों को तैनात किया गया था। जयशंकर ने हसीना से मुलाकात के बाद कहा, ''बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से आज मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भारत-बांग्लादेश मैत्री लगातार आगे बढ़ रही है।''

जयशंकर ने विक्रमसिंघे के साथ बैठक को लेकर कहा, ''आज सुबह नई दिल्ली में मुझसे मुलाकात करने के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे का आभार। भारत और श्रीलंका के संबंधों में निरंतर प्रगति को पहचाना।'' नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ भी मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

जम्मू क्षेत्र में अशांति फैलाने की नापाक साजिश: जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि रियासी जिले में एक बस पर हुआ आतंकवादी हमला जम्मू क्षेत्र में अशांति फैलाने की नापाक साजिश का हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों की एक बस पर गोलीबारी की, जिससे नौ लोगों की मौत हो गयी और 41 अन्य लोग घायल हो गये। बस शिव खोड़ी मंदिर से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही थी और इसी दौरान पोनी इलाके के तेरयाथ गांव के पास हमला किया गया और 53 सीट वाली बस गोलीबारी के बाद गहरी खाई में गिर गई। उपराज्यपाल ने यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती 18 घायलों से मिलने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''कल शाम एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई, जब आतंकवादियों ने एक बस के चालक को निशाना बनाया जिसके कारण उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और बस खाई में गिर गई। इसके परिणामस्वरूप नौ लोगों की मौत हो गई। घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने के लिए पुलिस, सीआरपीएफ और सेना ने संयुक्त अभियान चलाया है।'' पुलिस महानिदेशक आर आर स्वैन अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर मौजूद हैं और आतंकवाद विरोधी अभियान की निगरानी कर रहे हैं। सिन्हा ने कहा, ''हमारी तत्काल प्राथमिकता घायलों की जान बचाना है। हम जानते हैं कि किसी की जान जाने की भरपाई किसी भी तरह से संभव नहीं है लेकिन परिवारों की मदद के लिए प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपये और घायलों के लिए 50-50 हजार रु. की अनुग्रह राशि मंजूर की है।''

नई जनगणना कराई जाए, ओबीसी जातियों की आबादी का आंकड़ा भी दिया जाए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को नई जनगणना कराने और इसमें जाति आधारित आंकड़े देने की मांग दोहराते हुए कहा कि ऐसा करने से संविधान में निहित सामाजिक न्याय को सही अर्थ मिलेगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सरकार से यह आग्रह भी किया कि नई जनगणना में अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के रूप में वर्गीकृत समुदायों की जनसंख्या पर भी डेटा दिया जाना चाहिए।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''केंद्र सरकार हर 10 साल में सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए आवश्यक देशव्यापी जनगणना करवाती है। पिछले रिकॉर्ड के हिसाब से जनगणना 2021 में होनी थी। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने इसे अब तक नहीं करवाया है।'' उन्होंने दावा किया कि 2021 में जनगणना न होने का एक दुष्परिणाम यह है कि 14 करोड़ भारतीय, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना के

लाभ से वंचित हो रहे हैं। कांग्रेस नेता का कहना था, ''एक तिहाई प्रधानमंत्री को देश को बताना होगा कि नई जनगणना कब कराई जाएगी। 1951 से दशकीय जनगणना ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या पर डेटा दिया है। नई जनगणना में ओबीसी के रूप में वर्गीकृत समुदायों की जनसंख्या पर भी डेटा दिया जाना चाहिए।''रमेश ने कहा कि ऐसा होने से हमारे गणतंत्र के संविधान में निहित सामाजिक न्याय को सही अर्थ मिलेगा। उन्होंने कहा, ''संविधान को हाल में देश के लोगों ने नरेन्द्र मोदी, उनके चीयरलीडर्स और उनके लिए ढोल पीटने वालों के हमलों से बचाया है।''

ओडिशा के नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए मंगलवार को होगी भाजपा विधायक दल की बैठक

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की बैठक होगी और उसके अगले दिन नई सरकार शपथ लेगी। भाजपा ने 147 सदस्यीय ओडिशा विधानसभा में 78 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया है। हालांकि, पार्टी ने अभी तक अपने नेता का चयन नहीं किया है जो राज्य की बागडोर संभालेंगे। ओडिशा के वरिष्ठ सांसद धर्मेंद्र प्रधान के केंद्र सरकार में मंत्री नियुक्त किए जाने के बाद उनके राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने की संभावना क्षीण दिख रही है। अब सबकी नजरें ब्रजराजनगर क्षेत्र से विधायक सुरेश पुजारी पर हैं, जो सोमवार को नई दिल्ली से लौटे।

भाजपा के ओडिशा प्रभारी विजय पाल सिंह तोमर के अनुसार, पार्टी विधायक दल की बैठक मंगलवार को होगी और नई सरकार 12 जून को शपथ लेगी। नवनिर्वाचित विधायक सुरेश पुजारी ने सोमवार को नई दिल्ली से लौटने के बाद संवाददाताओं से कहा, नवनियुक्त पर्यवेक्षकों राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव के नेतृत्व में वरिष्ठ नेतागण विधायकों के साथ चर्चा करेंगे। भाजपा ने ओडिशा के नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए केंद्रीय मंत्रियों राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुजारी के अलावा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल, के. वी. सिंह एवं मोहन माझी भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं।

नोएडा : पति ने 'इंस्टाग्राम' इस्तेमाल करने से मना किया तो पत्नी ने कर ली आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा में सोमवार सुबह कथित तौर पर पति द्वारा सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' का इस्तेमाल करने से मना किए जाने पर नाराज महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घटना सेक्टर-39 क्षेत्र के सदरपुर कॉलोनी की है और मृतका की पहचान विशाखा के रूप में हुई है।

सहायक पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस को आज सुबह इस घटना के बारे में सूचना मिली थी। उन्होंने बताया, ''मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच में पाया कि महिला 'इंस्टाग्राम' का उपयोग करती थी और उसका पति ऐसा करने के लिए उसे मना करता था। इसी बात से नाराज होकर महिला ने यह कदम उठाया।''

सिंह ने बताया कि महिला की नौ वर्ष पहले शादी हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि मृतका के परिजनों इस बारे में सूचना दे दी गई है और मामले में जांच जारी है।

इराकी नागरिकों से 10 हजार डॉलर की ठगी, ईरानी गैंग का हाथ होने का संदेह

नोएडा/भाषा। थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में स्थित जेपी अस्पताल में उपचार करवाने आए इराकी नागरिकों के साथ अज्ञात बदमाशों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर 10 हजार डॉलर की ठगी कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात शाहपुर गांव के रहने वाले समदर्ष चौहान ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके यहां इराक के रहने वाले मोहम्मद जसीम जेपी अस्पताल में अपनी बेटी का उपचार करवा रहे हैं।

शिकायत के अनुसार रविवार की शाम को वह टहलने के लिए अपनी पत्नी हिबा और बेटी के साथ पैदल जा रहे थे, तभी रात करीब नौ बजे एक कार में सवार होकर दो लोग आए, उन्होंने खुद को पुलिसकर्मी बताया तथा उनकी तलाशी लेनी शुरू कर दी।

ओडिशा की पहली मुस्लिम महिला विधायक ने अपनी जीत को भाईचारे का संदेश बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की पहली मुस्लिम महिला विधायक बनकर इतिहास रचने वाली तथा मिशनरी स्कूल में पढ़ीं और आईआईएम बैंगलोर की पूर्व छात्रा सोफिया फिरदौस ने कहा कि उनकी जीत ने पूरे देश में भाईचारे का संदेश दिया है।

दुर्गा पूजा में भाग लेने वालीं फिरदौस ने कहा कि उनका जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ है, लेकिन उनका लालन-पालन कटक के लोगों के बीच हुआ, जहां ज्यादातर हिंदू हैं। उन्होंने कहा कि पहले वह गौरवान्वित ओडिया हैं।

कांग्रेस नेता फिरदौस ने बाराबती-कटक विधानसभा सीट से जीत हासिल की है। उन्होंने

भाजपा के पूर्ण चंद्र महापात्रा को 8,001 मतों के अंतर से हराया।

सोफिया ने 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए कहा कि कटक के लोग भाईचारे में विश्वास रखते हैं और उन्होंने साबित कर दिया है कि जब बात विकास की हो तो धर्म का कोई स्थान नहीं होता। उन्होंने कहा, मेरे लिए धर्म सर्वोच्च शक्ति और अदृश्य शक्ति की पूजा के माध्यम के अलावा और कुछ नहीं है। मेरा मानना है कि आध्यात्मिकता हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और किसी भी अन्य समुदाय समेत सभी के लिए आवश्यक है। यह स्वयं को एकजुट रखती है, और ताकत देती है।

फिरदौस (32) ने कहा कि मेरे करीबी हिंदू दोस्त हैं, जिन्होंने कभी मुझे अलग नहीं माना।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुकीं फिरदौस ने कहा, बचपन में मैं स्कूल में प्रार्थना करती थी, अपने इलाके में दुर्गा पूजा में भाग लेती थी और भाईचारे के शहर कटक में विभिन्न धर्मों के सभी त्योहार मनाती थी। ओडिशा की पहली मुस्लिम महिला विधायक बनने पर फिरदौस ने कहा, सबसे पहले, मुझे ओडिया और भारतीय होने पर गर्व है। लोगों ने मुझे वोट दिया है क्योंकि मैं कटक की बेटी हूं। यह एक संयोग है कि मैं मुस्लिम हूं और यह भी कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।

मणिपुर में ताजा हिंसा के बाद वहां के लोग असम में ले रहे हैं शरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलचर (असम)/भाषा। मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं से प्रभावित लोग आश्रय की तलाश में असम के कछार जिले में आ रहे हैं। स्थानीय विधायक कौशिक राय ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बीच पुलिस ने बताया कि अंतर-राज्यीय सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने मणिपुर के जिरीबाम में दो पुलिस चौकियों, वन विभाग के एक कार्यालय और कम से कम 70 घरों में आग लगा दी थी जससे वहां फिर से तनाव पैदा हो गया। मणिपुर में पिछले साल मई से जातीय हिंसा जारी है। सीमावर्ती इलाकों के निवासियों ने दावा किया कि पिछले चार दिन में जिरी नदी पार कर राज्य में प्रवेश करने वाले करीब 600 लोगों ने कछार जिले के लखीपुर के विभिन्न हिस्सों में शरण ली है। उन्होंने बताया कि मणिपुर से आए लोग जिरीघाट और लखीपुर के गांवों में शरण ले रहे हैं, हालांकि उनके लिए कोई सरकारी राहत शिविर नहीं खोला गया है।

लखीपुर के विधायक कौशिक राय ने पीटीआई भाषा से कहा, मणिपुर से आए लोगों को यहां सुरक्षित रहने दिया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठा रहा है कि यहां कोई हिंसा नहीं हो।''

कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महतो ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उन्होंने भाषा से कहा, कछार में किसी अप्रिय घटना की कोई खबर नहीं है। सीमा पर जिरीघाट के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग और आसपास के गांवों में पुलिस गश्त कर रही है। उन्होंने कहा कि असम की तरफ स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और पुलिस कड़ी निगरानी रख रही है।

रोहित शर्मा बहुत अनुभवी कप्तान: पोंटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने यहां टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर भारत की छह रन की जीत में रोहित शर्मा की 'शानदार' कप्तानी की सराहना की और छोटे स्कोर का बचाव करते हुए जिस तरह से उन्होंने अपने गेंदबाजों का समर्थन किया, उसके लिए उनकी प्रशंसा की।

भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने पर एक ओवर शेष रहते 119 रन पर आउट हो गई लेकिन जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने पाकिस्तान को 20 ओवर में सात विकेट पर 113 रन पर रोक दिया। रोहित ने इस दौरान गेंदबाजों को काफी अच्छी तरह रोटेट किया। पोंटिंग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद

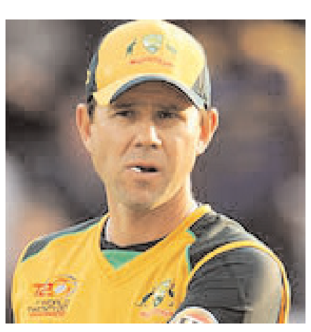

(आईसीसी) द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, ''रोहित शर्मा बहुत अनुभवी कप्तान हैं, है ना? और, मैंने उन्हें जब देखा तो कहा, 'दोस्त, आज आपकी कप्तानी शानदार थी'।'' उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि वह इससे ज्यादा कुछ कर सकता था। आप उनकी टीम में मौजूद कई गेंदबाजों के बारे में सोचिए। उनके पास वास्तव में आईपीएल में भी ऐसे गेंदबाज हैं, सिर्फ भारत के लिए नहीं।

पोंटिंग ने कहा, ''इसलिए वह उन्हें समझते हैं और जानते हैं कि उन्हें कब इस्तेमाल करना है। लेकिन कप्तान के लिए योजना बनाना एक बात है, गेंदबाजों को आगे बढ़कर उसे लागू करना होता है और हार्दिक ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।''

पाकिस्तान काफी अच्छी स्थिति में था और 48 गेंदों पर जीत के लिए 48 रन चाहिए थे जबकि उसके आठ विकेट शेष थे। हालांकि बुमराह (14 रन पर तीन विकेट) और पंड्या (24 रन पर दो विकेट) की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने भारत को वापसी दिलाई और पाकिस्तान ने लगातार विकेट गंवाते हुए मैच गंवा दिया।

पोंटिंग ने कहा, ''मुझे लगा कि उन्होंने (पंड्या) गेंद से भी बहुत अच्छा काम किया, और फिर यह एक ऐसा विकेट रहा है जो तेज गेंदबाजों को पसंद आया।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन उनके स्पिनरों ने भी 20 रन देकर चार ओवर फेंके, और (अक्षर) पटेल ने एक बड़ा विकेट लिया। हां, दूसरी पारी में विकेट निश्चित रूप से अलग था।''

जब पंत की कार दुर्घटना के बारे में पढ़ा तो मेरी आंखों में आंसू थे : शास्त्री

न्यूयॉर्क/भाषा। पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने खुलासा किया कि 2022 में ऋषभ पंत की कार दुर्घटना की खबर पढ़कर उनकी आंखों में आंसू आ गये थे और जब उन्होंने इस करिश्माई विकेटकीपर को अस्पताल में देखा तो उन्हें बहुत बुरा लगा था।

पंत 30 दिसंबर 2022 में हुई इस कार दुर्घटना में बाल बाल बचे और गंभीर रूप से घायल हो गये थे। एक साल तक रिहैबिलिटेशन के बाद पंत ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग से पेशेवर क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप के लिए इस महीने भारतीय टीम में वापसी की। शास्त्री ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा पोस्ट किये गये वीडियो में कहा, ''जब मेंने उसकी कार दुर्घटना के बारे में पढ़ा तो मेरी आंखों में आंसू थे। जब मैंने उसे अस्पताल में देखा तो मुझे और भी खराब लग रहा था।'' शास्त्री ने रविवार को भारत की छह रन की जीत का जिक्र करते हुए कहा, ''और वहां से आपका वापसी करना और भारत बनाम पाकिस्तान जैसे बड़े मैच में शीर्ष स्तर पर वापसी करना शानदार है।'' पंत ने भारत की जीत में 31 गेंद में 42 रन का योगदान दिया और साथ ही शानदार विकेटकीपिंग की। इस मैच के बाद शास्त्री ने पंत को 'बीसीसीआई के फील्डर ऑफ द मैच' सम्मान देते हुए उनकी पारी और वापसी की प्रशंसा की।

प्रो लीग में हमने शानदार जज्बा और टीमवर्क दिखाया: हरमनप्रीत सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सोमवार को कहा कि उनके खिलाड़ियों ने एफआईएच प्रो लीग के मैचों में शानदार जज्बे और टीमवर्क का नमूना पेश किया तथा पेरिस ओलंपिक से पहले उन्हें अच्छी सीख मिली।

भारत ने 16 मैच में 24 अंक लेकर प्रो लीग में अपने अभियान का समापन किया। उसने 5 मैच जीते लेकिन इतने ही मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसने पेनल्टी शूटआउट में तीन मैच जीते लेकिन इतने ही मैच में उसे हार भी झेलनी पड़ी। भारतीय टीम अंक तालिका में अभी चौथे स्थान पर है।

हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया की यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,''एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में हमारा सफर शानदार रहा। नीदरलैंड 2-2 (शूटआउट में 4-2), अर्जेंटीना (5-4) और जर्मनी (3-0) जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ हमारी जीत टीम की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प को दिखाती है।'' उन्होंने कहा,''हमने पूरे टूर्नामेंट में

शानदार जज्बे और टीमवर्क का प्रदर्शन किया।'' हरमनप्रीत ने पेरिस ओलंपिक से पहले इस टूर्नामेंट में खेलने के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा,''हमें अपने मजबूत पक्षों को समझने और किन क्षेत्रों में हमें सुधार करने की जरूरत है यह जानने में इस लीग की भूमिका महत्वपूर्ण रही। अब हम जानते हैं कि हम किस स्थिति में हैं और वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हमें किन विभागों में काम करने की जरूरत है।'' टूर्नामेंट में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, भारत, नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन और आयरलैंड सहित नौ टीमों ने भाग लिया।

सुविचार

कर्म तेरे अच्छे हैं तो किस्मत तेरी दासी है, नियत तेरी अच्छी है तो घर में मथुरा काशी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रियासी हमला: अब इन्साफ जरूरी

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकवादी हमला अत्यंत निंदनीय घटना है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि इसके पीछे पाकिस्तान का हाथ है। वह जम्मू-कश्मीर में दशकों से अलगाववाद और आतंकवाद को भड़का रहा है। अब आम कश्मीरी उसकी साजिश का हिस्सा नहीं बनना चाहता, इसलिए वह भाड़े के आतंकवादियों को आगे कर ऐसी घटनाएं करवा रहा है, जो देश में तनाव की वजह बनें। भारत में लोग तीर्थयात्रियों के विश्राम के लिए धर्मशालाएं बनवाते हैं, भंडारे लगाते हैं, उनकी सेवा के लिए जरूरी इंतजाम करते हैं, जबकि पाकिस्तान तीर्थयात्रियों की हत्याएं करवाता है। उसने मासूम बच्चों को भी नहीं छोड़ा। कैसी राक्षसी सोच है! रंग में भंग डालना पाकिस्तान की पुरानी फितरत है। वह होली, दशहरा, दीपावली, ईद, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और अन्य शुभ अवसरों के आस-पास ऐसी हरकतें करता है, जिससे लोगों की खुशी ग़म में बदल जाए। भारतीय सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की सतर्कता एवं सूझबूझ से ऐसी ज्यादातर कोशिशें नाकाम कर दी जाती हैं। आम जनता को तो उनके बारे में पता ही नहीं चलता। कभी-कभी किसी कारणवश आतंकवादियों के नापाक मंसूबे काम कर जाते हैं। तब हमें नुकसान होता है। वास्तव में आतंकवादियों को ऐसे ही एक मौके की जरूरत होती है। जब रियासी में हमला हुआ तो आतंकवादी जानते थे कि दिल्ली में देश की नई सरकार का शपथग्रहण समारोह हो रहा है। उस दिन हमले का मतलब है- रंग में भंग डालने की कोशिश करना, देश को चुनौती देना, प्रचार पाने का एक घिनौना तरीका अपनाना।

आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया। क्या उनके पास पहले से ऐसी सूचना थी कि तीर्थयात्रियों से भरी हुई बस आने वाली है? प्राय: ऐसे हमलों के लिए तैयारी करने से पहले सूचनाएं जुटाई जाती हैं। इससे संकेत मिलता है कि घटनास्थल के आस-पास आतंकवादियों का नेटवर्क रहा होगा। बेशक पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए हैं। रियासी के गुनहगारों का भी यही हश्र होगा, लेकिन उनके साथ-साथ आतंकवादियों का नेटवर्क तोड़ना जरूरी है। जो लोग आतंकवादियों के लिए 'आंख-कान' का काम करते हैं, जो उन्हें संसाधन उपलब्ध करवाते हैं, वे उनसे कम कसूरवार नहीं हैं। उन्हें 'भटके हुए नौजवान, गुमराह लोग' जैसे नाम देकर उनका गुनाह कमतर दिखाने की कोशिशें अब अस्वीकार्य हैं। उन पर शिकंजा कसते हुए कठोर दंड देना चाहिए। उक्त घटना की सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने पीड़ितों को राहत देने के जो भी संभव उपाय थे, वे किए। उपराज्यपाल ने अनुग्रह राशि देने की घोषणा कर दी। पूरा देश रियासी हमले के पीड़ितों के साथ खड़ा है। इस हमले में जिन लोगों ने प्राण गंवाए, उनके 'अपने' तो ज़िंदगीभर दु:ख को भुला नहीं पाएंगे। जो लोग घायल हुए हैं, उन्हें भी यह घटना अप्रिय यादें देकर गई है। अब सरकार की जिम्मेदारी है कि इन्हें इन्साफ दिलाए। देश इस घटना के जिम्मेदार आतंकवादियों, उनके हिमायतियों और आकाओं का संहार होते देखना चाहता है। आतंकवादियों को पता चलना चाहिए, उन्हें महसूस होना चाहिए कि भारत के एक भी नागरिक का लहू बहाया तो अंजाम बहुत बुरा होगा। सुरक्षा बलों के पास न तो संसाधनों की कमी है और न इच्छाशक्ति की, देश की रक्षा के लिए वीरता और बलिदान की भावनाएं हमेशा सर्वोच्च स्तर पर रही हैं। इस हमले के जवाब में पाकिस्तान को दंड मिलना चाहिए। चूंकि आतंकवाद का नाला तो वहीं से निकल रहा है। जब पाक फौज और रेंजर्स को बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, उसी स्थिति में जम्मू-कश्मीर में शांति होगी।

ट्वीटर टॉक

जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकियों द्वारा किया गया हमला बेहद कायरतापूर्ण एवं निंदनीय है। इस कायराना हमले में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं, ईश्वर उन्हें संबल प्रदान करें। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

-सचिन पायलट

जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए कायरतापूर्ण हमले में जयपुर जिले निवासी चार नागरिकों की मृत्यु का समाचार दुःखद है। सरकार के उच्च अधिकारियों को शीघ्र ही जम्मू कश्मीर के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पार्थिव शरीर दिवंगतों के परिजनों तक पहुंचाने हेतु निर्देश दिए गए हैं।

-भजनलाल शर्मा

देशभर के अपने किसान भाई-बहनों का जीवन आसान बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद पहला काम उनके लिए ही करने का अवसर मिला है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

संयम से मौन

वैदिक ज्ञान के विस्तार के क्रम में महर्षि वेदव्यास ने एक लाख श्लोकों वाले महाभारत को लिपिबद्ध करने का संकल्प लिया। वेदव्यास जी धाराप्रवाह श्लोकों का उच्चारण करते थे और गणेशजी एकाग्र होकर उसे लिपिबद्ध करते थे। महर्षि वेदव्यास जानते थे कि लेखन के दौरान गणेशजी पूरी तरह मौन थे। उन्होंने प्रश्न किया, 'गणनायक, मैं आपके वाक-संयम व मौन के अनूठे पालन को देखकर हतप्रभ था। कृपया मौन के महत्व से अवगत कराने की कृपा करें।' गणेशजी ने बताया, 'इंद्रियों का दुरुपयोग कदापि नहीं करना चाहिए। ऊर्जा तथा दीर्घ आयु प्राप्त करने के लिए इंद्रिय संयम बहुत महत्व रखता है।' उन्होंने कहा, 'महर्षि, वाक-संयम को साध लेने से अन्य इंद्रियों का संयम स्वत: हो जाता है। अधिक बोलने से कई बार अनर्गल-अवांछित शब्द मुख से निकलते हैं। इससे राग, द्वेष, ईर्ष्या जैसे दुर्गुण पनपते हैं। इसलिए अच्छा यही है कि एक-एक शब्द सोच-समझकर बोला जाए।' महर्षि वेदव्यास गणपति के श्रीमुख से मौन का महत्व सुनकर आनंद से पुलकित हो उठे।

सामयिक

सफल और सक्षम होगी मोदी की तीसरी पारी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

आदिवासी समुदाय एवं अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की ष्टि से मोदी सरकार मील का पत्थर साबित होगी। साथ-ही-साथ समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। सशक्त होती अर्थव्यवस्था इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाली साबित होगी, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत-सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक सरकार के विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी।

एक और इतिहास रचते हुए नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। यह देश ही नहीं दुनिया के लिए एक अद्भुत एवं विलक्षण राजनीतिक घटना है, क्योंकि दुनिया में बहुत कम शासनाध्यक्षों को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। मोदी के इस तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की नजरें इसलिये भी टिकी हैं कि मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा पिछली गठबंधन सरकारों से अलग होकर भी सशक्त है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को लेकर काम करने वाली इस सरकार में 71 मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के साथ शपथ ली। मोदी के करिश्माई नेतृत्व में पिछले दस साल में देश को विकास के कहीं ज्यादा ऊंचे मुकाम पर खड़े करते हुए दुनिया को चौंकाया है। 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। जीडीपी के आकार के हिसाब से हमने पिछले साल ब्रिटेन को पीछे छोड़ा और 2026 तक जापान तो 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इन लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ाना नई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसक साथ ही सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास इस सरकार का ध्येय है।

प्रधानमंत्री मोदी इस बार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते हुए एक नया इतिहास बनायेंगे, उम्मीद की जा रही है कि बिना बाधा एवं गठबंधन की शर्तों के वे देश-विकास के अपने एजेंडे को सफलतापूर्वक एक नई ऊंचाई देंगे। उनकी लोकसभा चुनाव-2024 की उपलब्धि की महत्ता इसलिये भी कम नहीं हो जाती, क्योंकि भाजपा बहुमत से कुछ ही दूर है। चूंकि सहयोगी दल मोदी सरकार को सहयोग और समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मंत्रियों का चयन सुगम तरीके से हो गया इसलिए यह आशा की जाती है कि मोदी की तीसरी पारी भी सुगमता एवं त्वरित गति से चलेगी। इसका एक कारण यह भी है कि उनके पास व्यापक राजनीतिक अनुभव है और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता तथा समन्वय की राजनीति करने का कौशल भी। गठबंधन दलों को भी समन्वय एवं सौहार्द का वातावरण बनाना होगा, इसी में उनका राजनीतिक हित है। वे विपक्षी दलों के बहकावे में न आये, वरना यहां मोदी एवं शाह के पास अन्य विकल्प हैं जो मोदी सरकार को संकट में नहीं जाने देंगे। मोदी की राजनीतिक यात्रा को देखा जाए तो उन्होंने अनेक ऐसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है जिनकी कल्पना नहीं की जाती थी-पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में।

मोदी के सामने चुनौतियां पूर्ण बहुमत के दौर में भी रही है और अब भी कायम है। इस राह पर दो बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना मुमकिन नहीं है। ये हैं बेरोजगारी और असमानता। इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80 प्रतिशत बेरोजगार युवा हैं। गरीब मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य भी सामने हैं। पूर्व के दौ कार्यकाल में मोदी ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्ज़ो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी मौलिक सोच एवं दृष्टि से मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि मोदी की तीसरी पारी में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। वन नेशन, वन इलेक्शन और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर राजनीतिक मजबूरी की विशेष छाप देखने को मिल सकती है। लेकिन मोदी की कोशिश रहेगी कि वे अपने इन मुद्दों को भी आकार दे सके। इनमें कुछ विलम्ब हो सकता है, लेकिन ये और ऐसे अनेक मुद्दें मोदी की प्राथमिकता बने रहेंगे।

पिछले दस वर्षों का मोदी का कार्यकाल यह बताता है कि जहां उन्होंने देश विकास की एक अमिट गाथा लिखी, वहीं वे देश में सबसे सशक्त और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे और विश्व पटल पर अपनी एक गहरी छाप छोड़ते हुए भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। इससे विश्व में भारत का मान बढ़ा और इसे उनके विरोधी भी स्वीकार करते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने न केवल साहसिक फैसले लिए, बल्कि विकास और जनकल्याण के ऐसे कार्य किए जिसने देश की तस्वीर बदली, भारत का विकास हुआ। अब वह विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। चूंकि गठबंधन सरकार के बावजूद कमान प्रधानमंत्री के हाथ में है और उन्होंने यह कहा है कि वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस एजेंडे के प्रति सहयोगी दलों और विशेष रूप से टीडीपी और जेडीयू ने भी अपनी संकल्पबद्धता जताई है इसलिए मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी पारी निरंतरता, साहसिकता, दृढ़ता का परिचायक ही होगी। राजनीति की लंबी पारी ने मोदी को दृढ़ता के साथ ही लचीलेपन का भी पाठ पढ़ाया है। कोई कारण नहीं कि राजनीतिक विरोधियों को साथ लेने में दिखाया गया लचीलापन सहयोगियों को बनाए रखने में काम नहीं आएगा। दूसरी बात यह कि चाहे चंद्रबाबू नायडू हों या नीतीश कुमार, दोनों विकास की राजनीति का चेहरा रहे हैं।

मंत्रिमण्डल का गठन करते हुए ऐसा नजर नहीं आया कि भाजपा गठबंधन सहयोगियों के किसी तरह के दबाव में हो। पिछली सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय संभालने वाले भाजपा के सांसद वरिष्ठता क्रम में शपथ लेते नजर आए। मंत्रिमंडल के गठन में गठबंधन के हितों के साथ ही जातीय संतुलन और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया। हरियाणा में भले भी पांच सांसद इस बार चुने गए हों, लेकिन इस साल राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कैबिनेट व राव इंद्रजीत सिंह तथा कृष्णपाल सिंह को राज्यमंत्री बनाया गया। वहीं पंजाब से कोई भाजपा सांसद नहीं चुना गया लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। झारखंड में इस साल चुनाव होने हैं तो राज्य को तीन मंत्री दिये गए हैं। मोदी का मंत्रिमण्डल देश विकास के साथ राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी एवं सशक्त एक तीर से अनेक निशाने साधते हुए दिखा।

निश्चित रूप से भाजपा अपने सहयोगी दलों के प्रति उदार एवं समन्वयमूलक रवैये अपनाएगी। राजग की कोशिश है कि गठबंधन को मजबूत करके इस बार सशक्त होकर उभरे विपक्ष का मुकाबला किया जा सके। इतना तय है कि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन अग्निपथ, समान नागरिक संहिता, बेरोजगारी व महंगाई जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजग सरकार के लिये कड़ी चुनौती पेश करेगा, लेकिन सहयोगी दलों के साथ भाजपा उनका मुकाबला करने के लिये तैयार है। एक सवाल यह भी है कि क्या नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली राजग सरकार सहयोगी दलों की आकांक्षाओं के बीच पिछले दो कार्यकाल की गति से काम कर पाएगी? निश्चित ही मोदी उसी अंदाज एवं दबंगता से अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ायेंगे। मोदी के विजन में जहां हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होगा, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर होगा। मोदी के नये संकल्पों एवं योजनाओं से देश विकास की दशा एवं दिशा स्पष्ट होगी।

आदिवासी समुदाय एवं अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से मोदी सरकार मील का पत्थर साबित होगी। साथ-ही-साथ समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। सशक्त होती अर्थव्यवस्था इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाली साबित होगी, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक सरकार के विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी।

नजरिया

भाजपा जानती है गठबंधन सरकार का धर्म

आर.के. सिन्हा

मैं मानता हूं कि मोदी जनता दल के नेता नीतीश कुमार और तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू जैसे तपे हुए नेताओं के सहयोग से देश को एक मेहनती और ईमानदार गठबंधन सरकार देने में सफल रहेंगे। उन्हें अपनी पार्टी के अनेक अनुभवी नेताओं का समर्थन और सहयोग तो मिलेगा ही। अब लोकसभ चुनाव के बाद केन्द्र में सरकार गठित हो गई है। अब इंडिया गठबंधन को रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने रविवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद अपना कामकाज संभाल लिया है। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय जनता पार्टी गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेगी। वास्तव में, भाजपा की पहली सरकार, जो 1996 में गठित हुई थी, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एक गठबंधन की सफल प्रयोग वाली सरकार थी। भले ही वह केवल 13 दिनों तक चली। अटलजी 1998 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में पुनः वापस आए थे। इसलिए यह कहना सरासर गलत होगा कि भाजपा को गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने का अनुभव नहीं है। भाजपा को 2014 में 283 और 2019 में 303 सीटें मिली थीं। उन जीतों में मोदी जी की सबसे अहम भूमिका रही थी। लेकिन, पूर्ण बहुमत के बाद भी मोदी जी ने गठबंधन का धर्म निभाया। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 240 सीटें जीतीं - बहुमत से 32 कम। यह तय मानिए कि जो विकास का पहिया 2014 में घूमना शुरू हुआ था वह अब गठबंधन सरकार के दौर में भी आगे बढ़ता ही रहेगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में 14 पार्टियां शामिल हैं। उसमें भाजपा को 240 सीटों पर विजय मिली और शेष 53 सीटें हासिल कीं, उसकी सहयोगी दलों ने।

अगर हम गुजरे दौर के पन्नों को खंगाले तो पता चलेगा कि कि भारत में सबसे पहले 1977-1979 गठबंधन सरकार बनी थी। कांग्रेस के 1977 में चुनाव हारने के बाद जनता पार्टी की सरकार देश में बनी थी। 1977 के चुनाव प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल की स्थिति लागू करने के लगभग दो साल बाद हुए थे। श्रीमती गांधी ने आपातकाल हटा दिया और जनवरी 1977 में अचानक चुनावों की घोषणा की। श्रीमती गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस पार्टी को जनता पार्टी नामक कई पार्टियों के एक गठबंधन द्वारा हराया गया था, जिसमें भाजपा की पूर्ववर्ती, भारतीय जनसंघ शामिल थी। जनता पार्टी को देश की जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला था। उस सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री थे और लाल कृष्ण आडवाणी सूचना और प्रसारण मंत्री थे। उस सरकार में बाबू जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा, जॉर्ज फर्नाडीज जैसे जननेता भी शामिल थे।

बहरहाल, जनता पार्टी की उस चुनाव में जीत के बाद मोरारजी देसाई प्रधान मंत्री बने। मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी सरकार दो साल तक चली। उसके बाद वैचारिक मतभेदों के कारण जनता पार्टी बिखर गई। मोरारजी देसाई सरकार में गृह मंत्री चरण सिंह को कैबिनेट से इस्तीफा देने के लिए कहा गया था। संयोग देखिए कि अब चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी उस एनडीए सरकार का हिस्सा हैं जिसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

बहरहाल, चरण सिंह 1979 में जनता पार्टी के बिखरे हुए समूहों के समर्थन और कांग्रेस पार्टी के बाहरी समर्थन से प्रधान मंत्री बने। लेकिन चरण सिंह का प्रधानमंत्री का कार्यकाल केवल 23 दिनों तक चला क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया, जिससे चरण सिंह को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस स्थिति के कारण देश में लोकसभा भंग करने के बाद 1980 में फिर चुनाव हुआ। इस बार इंदिरा गांधी सत्ता में वापस आ गईं, जब कांग्रेस ने 353 सीटें जीतीं।

लोकसभा के 1989 के चुनाव परिणाम भारत के लिए एक नये दौर को लेकर आए। यह पहली बार था जब राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस द्वारा 529 सीटों में से 197 जीतने के बाद किसी भी पार्टी या चुनाव पूर्व गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं किया था। इसके बाद विश्वनाथ प्रताप सिंह 1989 में भाजपा के समर्थन से प्रधान मंत्री बने। उनकी सरकार 1990 में गिर गई जब भाजपा ने अपना समर्थन वापस ले लिया, जब उस समय के सबसे बड़े नेता, लाल कृष्ण आडवाणी को अयोध्या में राम मंदिर बनाने के लिए आयोजित उनकी यात्रा के दौरान गिरफ्तार किया गया था।1989 से 2004 तक, छह आम चुनावों में एक भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। इनमें से कुछ गठबंधन विशेष रूप से अराजक रहे : 1989 और 1999 के बीच, आठ गठबंधन बनाए गए और कई जल्दी ही ढह गए। इस बीच, ये मानना होगा कि भारत के कुछ सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारों के समय ही आए।

अटल बिहारी वाजपेयी, भाजपा के दिग्गज नेताओं में से एक रहे, जिन्होंने 1998 से 2004 तक एक सफल बहु-पार्टी गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया। अटल जी के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत में विदेशी निवेश बढ़ा, एक्सप्रेसवे का निर्माण तेज हुआ, व्यापार बाधाओं को कम किया गया, और देश में आईटी क्रांति का जन्म हुआ। उनके ही दौर में देश ने पोखरण का परमाणु परीक्षण किया, पाकिस्तान के साथ तनाव को कम किया और अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए।

और अतीत में, सफल अल्पसंख्यक सरकारें और भी कम सीटों के साथ चलाई गई हैं। कांग्रेस 1991 में 232 सीटों के साथ और 2004 और 2009 में केवल 145 और 206 सीटों के साथ एक सफल अल्पसंख्यक सरकार चलाने में सक्षम कोशिश की थी। मैं मानता हूं कि मोदी जी जनता दल के नेता नीतीश कुमार और तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू जैसे तपे हुए नेताओं के सहयोग से देश को एक मेहनती और ईमानदार गठबंधन सरकार देने में सफल रहेंगे। उन्हें अपनी पार्टी के अनेक अनुभवी नेताओं का समर्थन और सहयोग तो मिलेगा ही। अब लोकसभ चुनाव के बाद केन्द्र में सरकार गठित हो गई है। अब इंडिया गठबंधन को रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। उन्हें हर बात पर सरकार को कोसना छोड़ना होगा। रोज़ विधवा विलाप करने की आदत छोड़नी होगी।आप चुनाव प्राचर के समय तो कुछ भी बोलते हैं। पर चुनाव नतीजों के आने के बाद आपको अपनी बयानबाजी सोच-समझकर करनी होती है। हां, विपक्ष को सरकार को राष्ट्र हित के मसलों पर सजग करते रहना होगा। लोकतंत्र में वाद, विवाद, संवाद लगातार जारी रहना चाहिए। इसके बिना लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं है। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को मिल कर देश को विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में बढ़ना होगा। संसद के दोनों सदनों में भी स्वस्थ और सार्थक बहसें हो, यह देश देखना चाहता है। संसद में हंगामा और वॉक आउट ही नहीं होना चाहिए। नरेन्द्र मोदी ने अपनी पार्टी के पुराण पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी को गठबंधन सरकारों को चलाते हुए देखा है। बेशक, वे गठबंधन सरकार को चलाते हुए अटल जी के फैसलों से प्रेरित होंगे। (लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय व्यापारियों ने लिपुलेख दर्रे के जरिए चीन से वस्तु विनिमय व्यापार बहाल करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पिथौरागढ़। उत्तराखंड में पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख दर्रे के जरिए 1992 से चीन के साथ वस्तु विनिमय व्यापार से जुड़े भारतीय व्यापारियों ने केंद्र से चीन सरकार के साथ कारोबार बहाल करने के मुद्दे पर बात करने का अनुरोध किया है। कई वर्षों से जारी कारोबार साल 2019 में कोविड-19 महामारी के कारण अचानक रुक गया और भारतीय व्यापारियों को तिब्बत के तकलाकोट बाजार में अपना ऊनी सामान को छोड़कर वापस लौटना पड़ा था।

धारचूला में सीमांत व्यापारियों के एक संगठन ने कहा कि पांच साल बीत जाने के बावजूद रुका कारोबार फिर से शुरू नहीं हो पाया है। अनुसूचित जनजाति भोटिया से संबंधित इन व्यापारियों ने हाल में चीन द्वारा नेपाल के साथ सभी 14 व्यापार दर्रों को खोलने के अनुबंध को लागू करने की प्रक्रिया शुरू करने के मद्देनजर लिपुलेख दर्रे के जरिए भी व्यापार को बहाल करने की मांग उठाई है।

धारचूला स्थित भारत तिब्बती सीमांत व्यापार समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह रोंगकली ने बताया कि चीन और नेपाल द्वारा दिसंबर 2022 में किए गए इस अनुबंध का क्रियान्वयन इस वर्ष 25 मई को शुरू हुआ जब चीन ने पूर्वी नेपाल के डोलपा जिले में स्थित पिआंगी दर्रे को व्यापार के लिए खोल दिया। उन्होंने बताया कि नेपाल के पश्चिमी क्षेत्र में हुमला, बजंग और दार्चुला जिलों में स्थित तीन और दर्रों को भी व्यापार के लिए क्रमश: 20, 30 और 25 जून को खोल दिया जाएगा। रोंगकली ने कहा, हमने भारत सरकार को अब तक 22 अर्जियां भेजी हैं जिनमें उनसे लिपुलेख दर्रे के जरिए व्यापार बहाल करने के लिए चीनी अधिकारियों से बातचीत करने का अनुरोध किया है । हांलांकि, उन्होंने कहा कि अभी तक हमें उसका कोई जवाब नहीं मिला है।

रोंगकली के अनुसार वर्ष 2019 में कोविड-19 के कारण सीमांत व्यापार के बंद होने के समय केवल धारचूला के ही जनजाति व्यापारी तिब्बत के तकलाकोट बाजार में 15 लाख रुपये का सामान छोड़कर भारत लौटे आये थे। उन्होंने कहा, हमें इस बारे में कोई सूचना नहीं है कि हमारा सामान सुरक्षित है या सड़ने लगा है। व्यापार बंद होने के समय हमने सामान को बक्सों में बंद कर दिया था। रोंगकली ने कहा, हम चाहते हैं कि लिपुलेख दर्रे से व्यापार फिर शुरू हो जाए लेकिन अगर किसी कारण से ऐसा संभव न हुआ तो हमें तकलाकोट जाकर अपना सामान वापस लेने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए।

उन्होंने बताया कि 450 से ज्यादा भारतीय जनजाति व्यापारियों का सामान पिछले पांच सालों से वहां पड़ा है। वर्ष 1992 से इस व्यापारिक मार्ग के जरिए भारतीय व्यापारी पश्चिमी तिब्बत के 45 से अधिक गांवों के लोगों को जरूरी सामान की आपूर्ति कर रहे थे। रोंगकली ने बताया कि सालाना डेढ़ करोड़ रुपये के कारोबार से हम हर साल लाखों रुपये का सीमा शुल्क और अन्य प्रकार के कर भारत सरकार को देते थे। वर्ष 2022 में चीन ने घोषणा की थी कि वह नेपाल के साथ सड़क और संचार नेटवर्क के पुनर्गठन के लिए 'हिमालय पार बहुआयामी संपर्क' बनाएगा। रोंगकली ने आशंका जताई है कि चीन भारत से लगती सीमा पर स्थित दर्रों को खोलने की अनुमति नहीं दे रहा है तो हो सकता है कि तकलाकोट के गक्खू शहर में भारतीय व्यापारियों के लिए बनी मंडी को नेपाली व्यापारियों के हवाले कर दे।

खजाना खाली, मुख्यमंत्री के रूप में चंद्रबाबू नायडू के सामने 'सुपर सिक्स' वादे पूरे करने की चुनौती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती। आंध्र प्रदेश में शीघ्र ही सत्ता की बागडोर संभालने जा रहे तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू के सामने राज्य के खाली खजाने के बीच हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी पार्टी द्वारा किए गए सुपर सिक्स वादों को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी। नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे।

वित्तीय चुनौतियों की शुरुआत के तहत नायडू को एक जुलाई तक लगभग 65 लाख लाभार्थियों को सामाजिक पेंशन वितरित करने के लिए 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की आवश्यकता है।

अपने सुपर सिक्स के हिस्से के रूप में नायडू ने मासिक पेंशन को मौजूदा 3,000 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये करने का वादा किया, साथ ही जुलाई से 3,000 रुपये (अप्रैल, मई और जून के लिए एक-एक हजार रुपये) का बकाया भुगतान करने का वादा भी किया है। कुल मिलाकर जुलाई में राजकोष पर 4,500 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा, इसके अलावा कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को वेतन देने से 6,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ नौकरशाह के मुताबिक, राज्य सरकार ने वेतन, पेंशन, कर्ज चुकाने और ब्याज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये का व्यय करने का वचन दिया है। रिजर्व बैंक की वेबसाइट के अनुसार, आंध्र सरकार ने 11 जून को नीलामी के जरिए 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिभूतियां बेचने की पेशकश की।

राज्य को अकेले सामाजिक पेंशन के लिए हर महीने 2,600 करोड़ रुपये की जरूरत है। इसी प्रकार, घोषणापत्र के तहत तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा का वादा किया है।

आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के एक अधिकारी ने कहा कि एपीएसआरटीसी को टिकट राजस्व के माध्यम से मासिक 450 से 500 करोड़ रुपये की कमाई होती है और महिला यात्रियों की संख्या 35-40 प्रतिशत होने की उम्मीद है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि महिला यात्रियों को लेकर राज्य में अब तक कोई अध्ययन नहीं हुआ है।

मुलाकात

नयी दिल्ली में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने सोमवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की।

शहबाज शरीफ ने मोदी को बधाई दी, भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा 'धन्यवाद'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लगातार तीसरी बाद देश की बागडोर संभालने पर बधाई संदेश के लिए अपने पाकिस्तानी समकक्ष शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया। चार जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना संपन्न होने के बाद से करीब 100 देशों के नेताओं ने मोदी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत के लिए बधाई दी। मोदी ने 'एक्स' पर शरीफ के बधाई संदेश के जवाब में कहा, शहबाज शरीफ आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। इससे पहले, शरीफ ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर नरेन्द्र मोदी को बधाई। भारत के पड़ोसी देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के सात नेताओं ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। इन देशों के नेताओं और कई अन्य लोगों ने राजग की चुनावी जीत के बाद मोदी को फोन किया और बधाई संदेश भेजे।

हालांकि, सोमवार को 'एक्स' पर शरीफ की पोस्ट से पहले पाकिस्तान की तरफ से ऐसा कोई संदेश नहीं आया था। पुलवामा आतंकवादी हमले के जवाब में फरवरी 2019 में भारत के युद्धक विमानों द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर बमबारी के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। भारत द्वारा पांच अगस्त 2019 को जम्मू एवं कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा के बाद दोनों देशों के संबंधों में और खटास आ गई। भारत का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी वाले संबंध चाहता है और इस बात पर जोर देता रहा है कि इस तरह के संबंधों के लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त माहौल बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद की है।

मुलाकात

कोल्हापुर लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद शाहू छत्रपति महाराज (महाविकास अघाड़ी) ने सोमवार को मुंबई में शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की।

'कल्कि 2898 एडी' से दीपिका पादुकोण का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी से उनका पोस्टर रिलीज हो गया है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कल्कि 2898 एडी' के निर्माताओं ने दीपिका पादुकोण का नया पोस्टर रिलीज किया है। इस पोस्टर में दीपिका बिखरे बाल, चेहरे पर शिकन लिए खड़े नजर आ रही हैं। वहीं, उनके पीछे कुछ लोग दिखाई दे रहे हैं, जो हाथों में तलवार और भाला लिए हुए हैं। पोस्टर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए दीपिका ने कैप्शन में लिखा कि आशा की शुरुआत उसके साथ होती है। दीपिका के इस पोस्ट पर उनके पति और अभिनेता रणवीर सिंह ने भी रिएक्ट किया है। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा कि बूम, स्टनर। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 एडी' हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, मलयाली, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में 27 जून को रिलीज होगी।

फिल्म 'बड़की भाभी' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अंजना सिंह और निर्माता रत्नाकर कुमार की आने वाली फिल्म बड़की भाभी की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म बड़की भाभी की शूटिंग वाराणसी के खूबसूरत लोकेशन में की जा रही है।वर्ल्ड वाइड रिकॉर्ड के बैनर से बन रही फिलमची भोजपुरी से प्रस्तुत फिल्म बड़की भाभी एक पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें अंजना सिंह अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह महिला प्रधान फिल्म है। इस फिल्म में अंजना सिंह के साथ माही श्रीवास्तव और शालिनी श्रीवास्तव भी मुख्य भूमिका में हैं। अंजना सिंह ने कहा कि, मैं इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं। 'बड़की भाभी' एक ऐसी कहानी है जो हर दर्शक को अपनी ओर आकर्षित करेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि यह फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी और हमारे मेहनत को सराहा जाएगा।

रत्नाकर कुमार ने कहा कि हमारी कोशिश है कि हम भोजपुरी सिनेमा को एक नई उंचाई पर ले जायें। 'बड़की भाभी' की कहानी और इसके किरदार दर्शकों के दिलों को छू लेंगे। यह फिल्म भी अनोखी और मनोरंजक है। उम्मीद है सबों को फिल्म पसंद आएगी। फिल्म में गीत-संगीत से संवाद तक सभी मजेदार हैं। फिल्म एंटरटेनमेंट का फुल पैकेज है। फिल्म बड़की भाभी के निर्माता-आदित्य पिट्टी, रत्नाकर कुमार और सह-निर्माता निवेदिता कुमार हैं। निर्देशक धीरू यादव हैं।

इस फिल्म में अंजना सिंह, माही श्रीवास्तव और शालिनी श्रीवास्तव के साथ सोनाली मिश्रा, नम्रता सिंह, प्रिया राज पुरोहित, काजल त्रिपाठी, विनीत विशाल, संदीप यादव, राघव पांडे, अनुराग सिंह, गोलू तिवारी, रविकांत यादव मुख्य भूमिका में हैं।लेखिका रागिनी पांडे हैं। संगीतकार ओम झा और डीओपी समीर सईद हैं।

भूमि पेडनेकर ने बताया, 'दलदल' में कैसा है उनका किरदार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर जल्द ही वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने इस सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात की। वेब सीरीज 'दलदल' में भूमि पेडनेकर एक पुलिस अधिकारी की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भूमि पेडनेकर ने अपने किरदार को एक सुपर अचीवर और ग्लास-सीलिंग ब्रेकर के रूप में बताया है, जो पुरुष-प्रधान दुनिया में अपने नियम खुद लिखती है। भूमि पेडनेकर ने कहा, 'दलदल' एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो एक महिला होने के सभी गुणों को समेटे हुए है। रीता एक सुपर अचीवर, एक ग्लास-सीलिंग ब्रेकर और पुरुषों की दुनिया में नियमों को फिर से लिखने वाली महिला है। मैं इस तरह की महिलाओं को अपना आदर्श मानती हूं। मैं प्राइम वीडियो जैसे ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर इस तरह की सीरीज के लिए रोमांचित हूं, जो मुझे दुनिया को भारतीय महिलाओं की ताकत और मजबूती दिखाने में मदद करेगा।

भूमि पेडनेकर ने कई कारणों से 'दलदल' को अपने सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक बताया है। एक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि इसमें बिना किसी संदेह के उनकी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है। भूमि पेडनेकर ने बताया कि बतौर एक्ट्रेस उनके लिए यह साल बेहद रोमांचक रहा है। इससे पहले उनकी स्ट्रीमिंग फिल्म 'भक्षक' को न केवल भारत में बल्कि विश्व में शानदार प्रतिक्रिया मिली थी।

खूबसूरती को बहुत ही स्वाभाविक तरीके से देखती है करीना कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर का कहना है कि वह खूबसूरती को बहुत ही स्वाभाविक तरीके से देखती है,जैसे-जैसे वक्त के साथ उनमे बदलाव आ रहे है, उसे वह अपना रही है। करीना कपूर बढ़ती उम्र के साथ खुद को अपनाने में यकीन करती हैं। करीना कपूर ने बताया, खूबसूरती देखने वालों की नजरों में होती है। हर किसी का इसको देखने का एक नजरिया होता है।मैं खूबसूरती को बहुत ही स्वाभाविक तरीके से देखती हूं। जैसे-जैसे वक्त के साथ मुझमें बदलाव आ रहा है, उसे मैं अपना रही हूं। मैंने हमेशा खुद से प्यार किया है, खुद को उम्र के हर पड़ाव पर अपनाया है। आज भी कर रही हूं। जैसे-जैसे मेरी उम्र बढ़ रही है, मैं और खूबसूरत महसूस कर रही हूं। करीना ने कहा,मेरा ज्यादा समय अपने परिवार और बच्चों के साथ बीतता है। वही हैं, जो मुझे सबसे ज्यादा सुकून पहुंचाते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर छायी 'मुंज्या'

मुंबई/एजेन्सी

शरवरी वाघ, अभय वर्मा, मोना सिंह और सत्यराज स्टारर फिल्म मुंज्या 7 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस हॉरर कॉमेडी ड्रामा को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। पहले दिन जहां इसकी कुल कमाई 4.21 करोड़ रुपए की हुई थी, वहीं दूसरे दिन शनिवार को इसने 7.25 करोड़ रुपए की जबरदस्त कमाई की। अब इसके तीसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है।

रविवार (9 जून) को इसने 8 करोड़ रुपए कमाए। अब तक फिल्म ने लगभग 20 करोड़ की कमाई कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म ने अपना बजट वसूल कर लिया है। अब जो भी कमाई होगी वो मुनाफे से भरपूर होगी। फिल्म की कहानी साल 1952 से शुरू होती है, जहां एक ब्राह्मण लड़के 'मुंज्या' को अपने से कई साल बड़ी लड़की 'मुन्नी' से प्यार हो जाता है।

वो उससे शादी करना चाहता है लेकिन ऐसा हो नहीं पाता, फिर वो काला जादू का सहारा लेता है जिसमें उसकी जान चली जाती है। फिर 'मुंज्या' को एक एनिमेटेड किरदार में बदल दिया जाता है, जो दिखने में खौफनाक लगता है। 'स्त्री', 'रूही' और 'भेड़िया' के बाद मैडॉक अपने सुपरनैचुरल यूनिवर्स की चौथी फिल्म 'मुंज्या' लेकर आया है।

एक्ट्रेस नूर मालाबिका ने किया सुसाइड पिछले कई दिनों से डिप्रेशन में थीं

मुंबई/एजेन्सी

कई वेब सीरीज में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेर चुकी अभिनेत्री नूर मालाबिका का शव उनके मुंबई स्थित आवास पर पंखे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने सड़ी गली अवस्था में उनका शव बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि अभिनेत्री पिछले कई दिनों से डिप्रेशन में थीं। पुलिस ने कहा, अभिनेत्री का शव अंधेरी, ओशिवारा इलाके में मिला है। अभिनेत्री ने 6 जून को ही अपने आवास पर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को मामले की सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके अलावा, पुलिस ने मामले की जांच भी तेज कर दी है। हालांकि, इस कदम के पीछे की वजह क्या हो सकती है, अभी तक पुलिस इस सवाल का जवाब देने से बच रही है। बता दें कि 37 वर्षीय अभिनेत्री कतर एयरवेज में कार्यरत थीं। इसके बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखने का फैसला किया। वो अच्छा कर भी रही थीं। उन्होंने कई वेब सीरीज में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा, मगर इस बीच उनके द्वारा उठाया गया यह कदम चौंकाने वाला है। पुलिस को तलाशी के दौरान अभिनेत्री के घर से कुछ दवाइयां और डायरी बरामद हुई हैं। पुलिस ने अभिनेत्री के परिजनों से भी संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

मूल रूप से नूर मालाबिका असम की रहने वाली हैं, जो कई वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने अब तक 'सिसकियां', 'वॉकमैन', 'तीखी चटनी', 'जघन्य उपाय', 'चरमसुख', 'देखी अनदेखी', 'बैकरोड हलचल' जैसे शो और सीरीज में काम किया है। इससे पहले वो एक्ट्रेस काजोल की 'द ट्रायल' वेब सीरीज में भी नजर आई थीं।

सलमान खान ने फिल्म सिकंदर के लिए शुरू की फाइट सीन्स की रिहर्सल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर के लिये फाइट सीन्स की रिहर्सल शुरू कर दी है। सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमन खान ने इस साल ईद के अवसर पर अपनी नई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'सिकंदर' अनाउंस की थी। इस फिल्म में सलमान के साथ रश्मिका मंदाना नजर आयेंगी।

सलमान खान फिल्म सिकंदर की तैयारी में जुट गये हैं। एक बार फिर एक्शन दिखाने के लिए उन्होंने कड़ी तैयारी की है।सलमान इस फिल्म में कई एक्शन सीन्स खुद करने वाले हैं। उन्होंने इसके लिये रिहर्सल भी शुरू कर दी है। साथ ही अपने रूटीन में बदलाव भी किया है।इस समय वह सुडौल बॉडी पाने के लिए जमकर वर्कआउट कर रहे हैं।फिल्म निर्देशक एआर मुरुगादास कर रहे हैं। फिल्म 'सिकंदर' का प्रोडक्शन साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं।'सिकंदर' अगले साल ईद 2025 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'जॉली एलएलबी-3' में काम करेंगी अमृता राव

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव फिल्म जॉली एलएलबी-3 में काम करती नजर आयेंगी। अक्षय कुमार और अरशद वारसी स्टारर फिल्म 'जॉली एलएलबी-3' इन दिनों सुर्खियों में हैं। इस फिल्म की शूटिंग राजस्थान के अजमेर शुरू हो गयी है।अमृता राव को इस फिल्म से जोड़ दिया गया है। अमृता राव एक बार फिर अरशद वारसी के साथ काम करती नजर आएंगी।इससे पहले दोनों ने जॉली एलएलबी में साथ काम किया था। अमृता राव ने जॉली एलएली के पहले पार्ट में संध्या का किरदार निभाया था, जो वर्ष 2013 में रिलीज हुई थी। अमृता राव,जॉली एलएलबी 3 में अरशद की पत्नी के रूप में लौट रही हैं, जो पहले भाग से उनकी कहानी को जारी रखती है। इस फिल्म का निर्देशन सुभाष कपूर कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म अगले साल यानी 2025 में रिलीज होगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

विल्सन गार्डन दिगम्बर मंदिर के वार्षिकोत्सव में हुए अनेक धार्मिक अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विल्सन गार्डन स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम व धार्मिक अनुष्ठान के साथ मनाया गया। सुबह श्रीजी का अभिषेक कर सम्पूर्ण विश्व की शांति के लिए वृहत शान्तिधारा की गई। इसके बाद सर्वकल्याणकारी श्री शांतिनाथ विधान किया गया । इसमें भगवान के अष्ट प्रातिहार्य के 64 श्रीफल मण्डल पर चढ़ाये गए। इस अवसर आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज की पूजा की गई और उनका गुणानुवाद किया गया । ज्ञातव्य हैकि वर्ष 2006 में आचार्य वर्धमानसागरजी की निश्रा में भगवान शांतिनाथ की भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी।

मंगलवार को दिगम्बर जैन महिला समिति एवं खण्डेलवाल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्रुतपंचमी विधान महोत्सव सुबह 11.30 बजे से होगा। दीपांजली नगर में दिगम्बर जैन महिला समिति की बैठक में समिति की सचिव राजुल बज ने विधान सम्बन्धी जानकारी देते हुए बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी को धरसेनाचार्य के शिष्य आचार्य पुष्पदंतजी और आचार्य भूतबली द्वारा षटखंडागम ग्रंथ की रचना पूर्ण हुई और देवताओं ने भी पुष्पवृष्टि कर श्रुत पंचमी पर्व मनाया।

विनोद जायसवाल ने एसबीआई, बेंगलूरु मंडल के मुख्य महाप्रबंधक का पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विनोद जायसवाल ने सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक, बेंगलूरु मंडल के मुख्य महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया। इसमें कर्नाटक में बैंक के परिचालन, 1,700 से भी ज्यादा शाखाएं / कार्यालय शामिल हैं। यह मंडल 4,50,000 करोड़ रुपए से भी ज्यादा के तुलन-पत्र का प्रबंधन कर रहा है। बता दें कि विनोद जायसवाल ने इस बैंक में वर्ष 1991 में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया था। उन्होंने कोलकाता मंडल में उप महाप्रबंधक (व्यवसाय एवं परिचालन), चेन्नई मंडल में महाप्रबंधक (वित्तीय समावेशन एवं सूक्ष्म बाजार), महाप्रबंधक (नेटवर्क 1) तथा चंडीगढ़ में मुख्य महाप्रबंधक जैसे कई महत्त्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

वायुसेना अकादमी में स्नातक परेड की समीक्षा करेंगे एयर चीफ मार्शल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी तेलंगाना के हैदराबाद में डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी (एएफए) में 15 जून को होने वाले 213वें अधिकारी पाठ्यक्रम की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) की समीक्षा करेंगे। सोमवार को यहां जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के फ्लाइट कैडेटों के लिए प्री-कमीशन प्रशिक्षण के सफल समापन पर यह कार्यक्रम पारंपरिक सैन्य वैभव के साथ आयोजित किया जाएगा। समारोह में वायुसेना प्रमुख स्नातक प्रशिक्षुओं को राष्ट्रपति का कमीशन प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम में फ्लाइट कैडेटों, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारियों और मित्रवत विदेशी देशों के अधिकारियों को 'विंग्स' की प्रस्तुति भी शामिल होगी जिन्होंने सफलतापूर्वक अपना उड़ान प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। यह अवसर किसी भी सैन्य विमान चालक के करियर के लिए काफी महत्वपूर्ण है। बयान में कहा गया है कि फ्लाइंग ब्रांच के फ्लाइट कैडेट जो योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पर होंगे, उन्हें समग्र प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वायु सेना प्रमुख 'स्वोर्ड ऑफ ऑनर' और राष्ट्रपति की पट्टिका से सम्मानित किया जाएगा। इस फ्लाइट कैडेट को परेड की कमान संभालने का भी मौका मिलेगा।

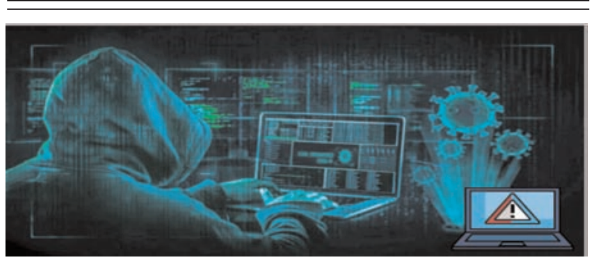

केरल में आरसीसी साइबर हमले में रूसी हैकरों का हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल स्थित क्षेत्रीय कैंसर केंद्र (आरसीसी) पर हालिया साइबर हमले में रूसी हैकरों का हाथ होने का खुलासा हुआ है। स्थानीय सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि जांच से पता चला है कि तिरुवनंतपुरम आरसीसी के सर्वर पर बड़ा साइबर हमला राज्य प्रायोजित हमला था और इसकी शुरुआत रूस से हुई थी। पिछले डेढ़ महीने से केरल पुलिस की साइबर विंग मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि गत 28 अप्रैल को हुए रैंसमवेयर हमले से विकिरण सहित कई विभागों का कामकाज बाधित हो गया था। घटना के बाद, अस्पताल अधिकारियों को हैकर्स से 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फिरौती की मांग की गयी। यह हमला विशेष रूप से आईटी अधिनियम की धारा 66एफ-साइबर आतंकवाद के तहत एक अपराध है। अस्पताल की नेटवर्क सुरक्षा बेहद अपर्याप्त थी। आरसीसी नेटवर्क को सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त संख्या में उपयोग किए गए पोर्ट को पर्याप्त रूप से कॉन्फ़िगर नहीं किया गया था, और कई अप्रयुक्त पोर्ट खुले छोड़ दिए गए थे। हैकर्स ने नेटवर्क सुरक्षा उपकरण फ़ायरवॉल में खामियों का फायदा उठाकर आरसीसी सर्वर तक पहुंच प्राप्त की। साइबर जांच विंग ने स्वीकार किया कि इंटरनेट के बजाय आरसीसी नेटवर्क हमले का लक्ष्य था।

उन्होंने आशंका जतायी कि कई मरीजों को गलत खुराक मिली, जिससे मौतें हुईं। वहीं हैकर्स ने लगभग 20 लाख मरीजों की जानकारी ले ली है।

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो)साउथ के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय जीतो ग्रोथ समिट एवं ट्रेड फेयर का आयोजन पैलेस ग्राउंड स्थित चाम्रवज्रा सभागार में भविष्य में भी व्यवसायिक विकास की प्रतिबद्धता के साथ सम्पन्न हुआ।

विकास के संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ जीतो ग्रोथ सम्मिट

'जीतो' गोट टैलेंट में दिखी समाज की नई प्रतिभा, किया सम्मान
ट्रेड फेयर में अंतिम दिन उमड़े हजारों आगंतुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो)साउथ के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय जीतो ग्रोथ समिट एवं ट्रेड फेयर का आयोजन पैलेस ग्राउंड स्थित चाम्रवज्रा सभागार में भविष्य में भी व्यवसायिक विकास की प्रतिबद्धता के साथ सम्पन्न हुआ। इस तीन दिवसीय व्यवसायिक विकास की यात्रा में उद्योगपतियों, बड़े व छोटे व्यवसाईयों के साथ समाज के सधार्मिक बंधुओं तक को एक ही पैमाने में रखते हुए इस विकास यात्रा का हिस्सा बनाया गया। इस आयोजन में प्रायोजकों के सहयोग, श्रमण आरोग्यम के नये ट्रस्टियों, स्टॉल लेने वाले व्यवसायियों, समृद्ध जैन सांस्कृतिक वाली झांकी, तकनीक दर्शन वाले पैवेलियन, समाज की प्रतिभा खोज वाले जीतो गोट टैलेंट, जेपीएफ व युवा विंग के राष्ट्रीय सम्मेलन, महिला विंग के शानदार आयोजन, प्रेरक वक्ताओं के आध्यात्मिक व बिजनेस ग्रोथ पर व्यक्तव्य, रक्तदान शिविर सहित समाज की लगभग 150 संस्थाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति ने विविधता भर दिया।

आयोजन की सफलता से अभिभूत जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने कहा कि यह आयोजन की सफलता ही नहीं है अपितु भविष्य में ऐसे निरंतर आयोजनो का संकेत भी है। मुख्य प्रायोजक की भूमिका निभाने वाले दिनेश बोहरा ने सभी प्रायोजकों, स्टाल मलिकों एवं आयोजन में सहयोग करने वालों को धन्यवाद दिया। महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने जीतो साउथ की कार्यकारिणी, महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी व उनकी टीम, युवा विंग अध्यक्ष पिंकेश मेहता व उनकी टीम तथा अन्य सहयोगी समितियों तथा जीतो कार्यालय के कर्मचारियों के अथक प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि रमेश बोहरा, हेमराज पालगोता, जुगराज सोफाडिया व राजु सुजानी के श्रमण आरोग्यम योजना का ट्रस्टी बनने से जीतो जीतो की धार्मिक यात्रा को बल मिला।

ट्रेड फेयर के अंतिम दिन उमड़ी हजारों की भीड़ ने स्टाल मालिकों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी और यहा बने नये सम्पर्कों में उनको चमकदार व्यवसायिक भविष्य नजर आने लगा।

रविवार शाम को आयोजित जीतो गोट टैलेंट में देश भर से चयनित प्रतिभाओं की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया और अंत में शानदार प्रस्तुति देने वाले मैसूर के नृतक आर्यन जैन ने प्रथम, भीलवाड़ा के गायक ओनिक जैन ने द्वितीय व अहमदाबाद की गायिका जिज्ञाशा पींचा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा सभी का सम्मान किया गया। विजेताओं का निर्णय प्रसिद्ध वीणा वादक व गायक रेवती कामत, प्रसिद्ध नृतक चार्ल्स मा व महिला गायक सिनचेन दीक्षित ने किया। जीतो अपेक्स सलाहकार समिति के अध्यक्ष तेजराज गोलेच्छा ने जीतो साउथ को बधाई देते हुए कहा कि सफल आयोजन के माध्यम से व्यवसाइयो के विकास, श्रमण आरोग्यम योजना के नये ट्रस्टी बनना व आयोजन से जीतो स्कॉलरशिप योजना को बल मिलना जीतो के लिये शुभ संकेत है। संपूर्ण आयोजन के दौरान जीतो अपेक्स, जोन व बेंगलूरु के पदाधिकारियों के साथ जीतो के पूर्व पदाधिकारियों व सदस्यों की उपस्थिति रही।

प्रदर्शन

पटना वीमेंस कॉलेज की छात्राओं ने सोमवार को कॉलेज प्रशासन के खिलाफ पटना में प्रदर्शन किया।

'शब्द' की ऑनलाइन गोष्ठी में बही काव्य रस की गंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्य-संस्था 'शब्द' की रविवार को ऑनलाइन रचनागोष्ठी आयोजित हुई । इसमें बेंगलूरु महानगर के रचनाकारों के साथ ही राँची से वरिष्ठ गीतकार कुमार बृजेन्द्र, जम्मू से वरिष्ठ कवि निर्मल विनोद, गाजियाबाद से युवा कवयित्री शैलजा सिंह, दिल्ली से कथाकार भालचंद्र जोशी और मुजफ्फरपुर से युवा कवि सौरभ पांडेय की भागीदारी उल्लेखनीय रही। प्रसिद्ध नाटककार मथुरा कलौनी की अध्यक्षता में आयोजित रचनागोष्ठी का संचालन डॉ भूमिका श्रीवास्तव ने किया ।

कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ कवयित्री रचना उनियाल की वाग्देवी-वंदना से हुई । गजलगो विद्या कृष्णा ने सुमधुर स्वर में गजलें गाकर काव्य रस की गंगा बहाने की जो शुरुआत की, उसे कुमार बृजेन्द्र, डॉ निर्मल विनोद, शैलजा सिंह और नलिनी पोपट तथा रचना उनियाल के गीतों ने परवान चढ़ाया । वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, डॉ स्वर्ण लता, डॉ उषारानी राव, डॉ नंदिनी चौबे, डॉ गोरख देवेन्द्र, डॉ शिवनंदन सिन्हा, श्रीकांत शर्मा, राजेन्द्र गुलेच्छा, सौरभ पांडेय, गीता चौबे गूँज, उर्मिला 'उर्मि' और अचला प्रवीन ने अलग-अलग भावों की एक-से-एक अच्छी रचनाएँ सुनायीं। डॉ भूमिका श्रीवास्तव की लघु कथा को श्रोताओं की खूब वाहवाही मिली। अध्यक्षीय वक्तव्य में मथुरा कलौनी ने 'शब्द' के कार्यक्रमों तथा साहित्य के संवर्धन के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने एक कविता भी सुनायी।

कार्यक्रम के आरंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने कविता की पक्षधरता को उल्लेखनीय बताया और आपाधापी भरे जीवन के लिए कविता की जरूरत पर प्रकाश डाला। डॉ उषारानी राव के धन्यवाद ज्ञापन से रचनागोष्ठी संपन्न हुई।

तेलंगाना सरकार गठित करेगी शिक्षा आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार विद्यालय और किसानों के सामने आने वाली समस्याओं को हल करने के लिए जल्द ही शिक्षा आयोग और कृषि आयोग का गठन करेगी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को यहां बताया कि सरकार विद्यालयों और किसान समुदायों से सुझाव प्राप्त करने के लिए तैयार है। यहां रवींद्र भारती में वंदे मातरम फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सरकारी विद्यालयों के 10वीं कक्षा के मेधावी छात्रों को पुरस्कार प्रदान करने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार को आधिकारिक तौर पर ऐसा अच्छा कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए था। यह सरकार के लिए गर्व की बात है कि सरकारी विद्यालय के छात्र निजी संस्थानों की तुलना में अपनी पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी सरकारी विद्यालयों में पढ़े हैं। मेरे सहित सभी प्रमुख राजनेताओं ने कभी न कभी सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई की है।

गायत्री चेतना केन्द्र कर्नाटक राज्य में निकालेगा ज्योति कलश यात्रा

संस्थापिका के जीवनदर्शन का किया जाएगा प्रचार प्रसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गायत्री चेतना केंद्र में रविवार को शांतिकुंज की संस्थापिका भगवती देवी शर्मा 'माताजी' की जन्म शताब्दी और अखंड दीपक की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में ज्योति कलश (रथयात्रा) के स्वरूप को रेखांकित करते हुए कर्नाटक राज्य में ज्योति कलश को घर-घर पहुंचाने की कार्य प्रणाली और कार्यकर्ता गोष्ठी का कार्यक्रम शांतिकुंज प्रतिनिधि और दक्षिण भारत के प्रतिनिधि विष्णुकुमार शर्मा, ऋषभ नारायणसिंह व रामदास रघुवंशी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शांतिकुंज प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन रीता रजक ने किया। भावना त्रिपाठी ने बेंगलूरु के कन्नड़ भाषा में विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात शांतिकुंज प्रतिनिधियों द्वारा कार्यकर्ता शिविर गोष्ठी का शुभारंभ किया। विष्णु शर्मा ने अपने स्वरचित कविता के द्वारा सभी कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया। ऋषभ नारायणसिंह व रामदास रघुवंशी ने सभी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया एवं उनके कर्तव्यों का बोध कराया। अश्विनी कटरे ने केंद्र में चलने वाली गतिविधियों के बारे में बताया।

द्वितीय सत्र में 2026 शताब्दी वर्ष के अंतर्गत वंदनीय माताजी के जन्म एवं प्रज्वलित अखंड दीपक के 100 वर्ष पूर्ण होने पर ज्योति कलश रथ यात्रा की योजना क्रियान्वित की गई। इस योजना के अंतर्गत विचार विमर्श द्वारा एक संगठन को निर्मित किया गया, जिसके अंतर्गत कर्नाटक राज्य में ज्योति कलश प्रत्येक घर-घर, मंदिरों में, धार्मिक संस्थानों में, अपार्टमेंट्स में दर्शनार्थ, गुरुदेव के विचार क्रांति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने, अखंड दीपक की महत्ता और माताजी के जीवन दर्शन को बताते हुए रथ यात्रा पूरे कर्नाटक राज्य में घूमेगी। इस योजना के तहत एक संगठन तैयार किया गया है जिसमें अभिभावक सलाहकार समिति, कर्नाटक के चार उपजोन समिति का प्रभार आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी प्रभार, साहित्य और अखंड ज्योति प्रभार, कर्नाटक राज्य के प्रोग्रामिंग और शांतिकुंज रिपोर्टिंग प्रभार, साधना आंदोलन, पर्यावरण आंदोलन प्रभार इत्यादि समर्पित कार्यकर्ताओं को सौंपा गया है। पंडित श्रीरामगुरु गुरुदेव और माताजी के सूक्ष्म संरक्षण में शांतिकुंज से श्रद्धेय डॉ प्रणव पांड्या व शैल पांड्या द्वारा कर्नाटक समिति के समन्वयक के रूप में शेखर चतुर्वेदी को नियुक्त किया गया।

मास्टर ब्लास्टर टीम बनी 'बाफना कप' विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन दोस्ती फेडरेशन द्वारा आयोजित 'बाफना कप 2024' क्रिकेठ प्रतियोगिता का फाइनल मैच का मुकाबला राजाजीनगर स्थित रश अरेना प्रांगण में आयोजित किया गया। इस टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक सोहनलाल शोभाबाई बाफ़ना परिवार व शीर्षक प्रायोजक फूड अड्डा,के एंड के ग्रुप रहा। फेडरेशन द्वारा आयोजित बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन 2 के विजेता टीम 'मास्टर ब्लास्टर्स' रही।

इस अवसर पर विजेता टीम को जेडीएफ की ओर से विजय ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलक्ष्य में जेडीएफ चेयरमैन अनूप श्रीश्रीमाल, अध्यक्ष मितेश सुराना, उपाध्यक्ष महेंद्र कटारिया, बॉक्स क्रिकेट कमेटी के चेयरमैन आशिक पिरगल, संयोजक संदीप कटारिया, सहसंयोजक विकाश बाफ़ना, कार्यकारिणी कमेटी के सुनील ओस्तवाल, खेतन सुराना आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

मुलाकात

जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल राज्यपाल मनोज सिन्हा सोमवार को जम्मू के एक अस्पताल में घायल तीर्थयात्रियों से मुलाकात करते हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com